संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 173
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
बुधवार 23 सितम्बर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण
सच से रूबरू

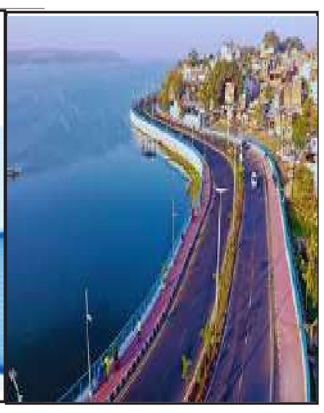

Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1 |

जयशंकर ने की पी4एम समिट की अध्यक्षता

कहा- वर्ल्ड ऑर्डर दबाव में, बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करना जरूरी

एजेंसी

नई दिल्ली । संयुक्त राष्ट्र महासभा के हाई-लेवल सेशन लिए न्यूयार्क पहुंचे विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा के साथ 'पार्टनर्स फॉर मल्टीलेटरलिज्म, इंटरनेशनल लॉ, पीस एंड प्रॉस्पेरिटी (पी4एम)' शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा के साथ 'पार्टनर्स फॉर मल्टीलेटरलिज्म, इंटरनेशनल लॉ, पीस एंड प्रॉस्पेरिटी (पी4एम)' शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करके खुशी हुई।'' विदेश मंत्रालय के अनुसार, सम्मेलन को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत को को-स्पॉन्सर के तौर पर इसमें शामिल करने पर खुशी जाहिर की। साथ ही प्रेसिडेंट

एंटोनियो कोस्टा का आभार व्यक्त किया। मंत्री जयशंकर ने कहा कि हम ऐसे समय में मिल रहे हैं, जब दुनिया की मौजूदा व्यवस्था दबाव में है। पिछले कुछ दशकों में दुनिया में ताकत का संतुलन धीरे-धीरे बदलता रहा है। यह एक ऐसा बड़ा बदलाव था, जिसकी लंबे समय से उम्मीद की जा रही थी। लेकिन अब बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा, भू-राजनीतिक तनाव और वास्तविक संघर्षों ने इस बदलाव को बिल्कुल अलग रूप दे दिया है। अगर इसे ऐसे ही बढ़ने दिया गया, तो इससे अंतरराष्ट्रीय सहयोग की मूल भावना पर ही सवाल खड़े हो सकते हैं। यही वजह है कि इस समय बहुपक्षीय सहयोग को मजबूती से आगे बढ़ाना बेहद

> विदेश मंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य को कई अलग-अलग कोशिशों और पहलों को मिलाकर हासिल किया जा सकता है। जहां मौजूदा संघर्षों की बात है, वहां व्यापक शांति के लिए कोशिश जारी रखते हुए संघर्ष से जुड़े खास मुद्दों पर भी अलग से काम किया जा सकता है।

जरूरी है। उन्होंने कहा कि यहां सिर्फ शब्दों या बयानों की बात नहीं है, बल्कि कई ऐसे मुद्दे दांव पर हैं जिनका वास्तविक असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। शांति और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा का भविष्य, जलवायु के लिए कार्रवाई और जलवायु न्याय, नई तकनीक, विकास के लिए वित्तीय मदद, आतंकवाद का मुकाबला, सप्लाई चेन को मजबूत बनाना, आपदाओं से निपटने की क्षमता बढ़ाना और महामारियों के लिए तैयारी, ये सभी इस बात पर निर्भर करते हैं कि हम आपस में मिलकर काम करने के लिए कितने तैयार हैं।उन्होंने कहा कि हमें यह समझना होगा कि हमने अब तक जो भी हासिल किया है, वह सामूहिक कोशिशों से ही संभव हुआ है। इससे हमें यही सीख मिलती है कि जो अच्छा हासिल किया गया है, उसे बचाकर रखा जाए और साथ ही उसे और बेहतर बनाने की कोशिश की जाए।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने कक्षा 6 से 8 तक के लिए विस्तारित नाश्ता योजना शुरू की

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को 'पेरुंथलैवर कामराज ब्रेकफास्ट स्कीम' का विस्तार किया। इसके तहत राज्य भर के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों को सुबह का मुफ्त नाश्ता दिया जाएगा। विजय ने चेन्नई के थिरुवनमियूर में गांधीग्राम स्थित कॉर्पोरेशन मिडिल स्कूल में विस्तार कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने छात्रों को पोंगल परोसा और फिर उनके साथ बैठकर नाश्ता किया। इस विस्तार से कार्यक्रम के तहत 15.30 लाख और छात्र जुड़ेंगे। कुल मिलाकर, 44,984 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले 34.64 लाख बच्चों को अब इस योजना का लाभ मिलेगा। राज्य सरकार ने इस विस्तारित कार्यक्रम को लागू करने के लिए अतिरिक्त 217.63 करोड़ आवंटित किए हैं। इसे चेंगलपट्टू जिले के मदुरंतकम

निर्वाचन क्षेत्र और तिरुप्पुर जिले के धारापुरम को छोड़कर सभी जिलों में शुरू किया गया है, जहां विधानसभा उपचुनाव होने हैं।

नाश्ता कार्यक्रम मूल रूप से 2022 में डीएमके सरकार के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा शुरू किया गया था। शुरुआत में यह सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए था और बाद में इसे सरकारी सहायता प्राप्त संस्थानों तक भी बढ़ा दिया गया। इस कार्यक्रम को बच्चों में कुपोषण से लड़ने, स्कूल में बच्चों की हाजिरी बढ़ाने और स्टूडेंट्स को पढ़ाई बीच में छोड़ने के बजाय उसे जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करने के मकसद से शुरू किया गया था। हाल ही में इसे बढ़ाने से पहले, इसमें 37,447 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले 19.34 लाख स्टूडेंट्स शामिल थे। टीवीके सरकार के सत्ता में आने के बाद इस कार्यक्रम का नाम बदलकर 'पेरुंथलैवर कामराज ब्रेकफास्ट स्कीम' कर दिया गया। बाद में विजय ने घोषणा की कि इसे छठी, सातवीं और आठवीं क्लास तक बढ़ाया जाएगा।

'चुनाव हुआ नहीं, सपा में बंटने लगे मंत्री पद'

• ओपी राजभर ने अखिलेश पर कसा तंज

एजेंसी

लखनऊ । सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सपा के राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज के बयान को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में अभी समय है और जनता का फैसला भी नहीं आया है, लेकिन सपा में अभी से मंत्री पद और विभाग बांटने के सपने देखे जाने लगे हैं। राजभर ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सपा नेता इंद्रजीत सरोज अभी से बता रहे हैं कि 2027 में सपा की सरकार बनी तो उन्हें मंत्री बनने से कोई नहीं रोक पाएगा। उन्होंने सरोज के उस बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब वह पार्टी के बुरे दिनों के साथी रहे हैं तो बड़े मंत्री भी वही बनेंगे। राजभर ने सरोज

की जेसीबी, डंपर और बालू खनन को लेकर की गई टिप्पणी पर भी अखिलेश यादव को घेरा। उन्होंने सवाल किया कि चुनाव होने में अभी समय है लेकिन सपा में मंत्री कौन बनेगा और कार्यकर्ताओं को जेसीबी-डंपर लगाकर बालू-मिट्टी खोदने की छूट कैसे मिलेगी, इसकी तैयारी अभी से शुरू हो गई है क्या? सुभासपा अध्यक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि ये चुनाव की तैयारी चल रही है या सरकार बनने से पहले ही मंत्री पद और बालू-मिट्टी का हिसाब-किताब लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता कोई खाली कुर्सी नहीं है कि किसी ने चाहा और उस पर बैठ गया। पहले जनता की अदालत का फैसला आने देना चाहिए। राजभर ने पोस्ट के आखिर में अखिलेश से पूछा कि 2027 के लिए और किस-किस नेता को कौन-कौन सा विभाग सपने में बांट रखा है। उन्होंने तंज किया कि चच्चू भी अपने विभाग का इंतजार कर रहे हैं। सपने में ही सही लेकिन बता दीजिए कि पीडब्ल्यूडी देंगे या सिंचाई, ताकि नींद अच्छी आए।

करम पर्व पर राष्ट्रपति मुर्मु, सीएम हेमंत सोरेन समेत कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

• यह पर्व हमें प्रकृति का संरक्षण करने और सद्भाव के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।

एजेंसी

रांची/नई दिल्ली । झारखंड के सबसे बड़े लोक पर्वों में से एक करम पूजा के मौके पर राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री समेत कई नेताओं ने शुभकामनाएं दी हैं। करम पर्व को अच्छी फसल, प्रकृति की आराधना और भाई-बहन के अटूट रिश्ते के लिए मनाया जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा, 'सभी देशवासियों को 'करम पूजा' की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, कर्म के प्रति निष्ठा और भाईचारे की भावना से जुड़ा करम पर्व हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति एवं जीवन-मूल्यों की जीवंत अभिव्यक्ति है। यह पर्व हमें प्रकृति का संरक्षण करने और सद्भाव के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। मेरी कामना है कि 'करम पूजा' का यह पर्व सभी देशवासियों के जीवन में सुख और समृद्धि का संचार करे।' झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 'एक्स' पर लिखा, 'प्रकृति महापर्व करम पर्व की सभी को अनेक-अनेक शुभकामनाएं और जोहार। प्रकृति और मानव जीवन के गहरे जुड़ाव, भाई-बहन के अटूट प्रेम, सामाजिक एकजुटता तथा हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपरा का प्रतीक करम पर्व झारखंड की

पहचान और हमारी जीवन-पद्धति से गहराई से जुड़ा हुआ है।' उन्होंने लिखा कि करम पर्व हमें प्रकृति के प्रति सम्मान और उसके संरक्षण की प्रेरणा देता है। हमारे पूर्वजों ने हमें सिखाया है कि जल, जंगल और जमीन केवल हमारे जीवन के आधार नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों की धरोहर भी हैं। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि यह पर्व भाई-बहन के पवित्र स्नेह और आपसी विश्वास का भी पर्व है। अखड़ा में करम डाली की स्थापना, मांदर की थाप, करम गीत और सामूहिक नृत्य हमारी जीवंत लोक-संस्कृति की सुंदर अभिव्यक्ति हैं। आधुनिकता की राह पर आगे बढ़ते हुए भी हमें अपनी भाषा, संस्कृति और प्रकृति के साथ अपने संबंधों को मजबूत बनाए रखना चाहिए। सीएम सोरेन की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'प्रकृति महापर्व करम की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार। करम पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और प्रकृति के साथ हमारे गहरे रिश्ते का प्रतीक है। भाई-बहन के अटूट प्रेम से लेकर समाज की एकजुटता तक, यह पर्व हमें अपनी माटी और अपनी जड़ों से जोड़ता है।'

उन्होंने लिखा कि अखड़ा में करम डाली की पूजा, मांदर की थाप और सामूहिक नृत्य पुरखों से मिली अनमोल विरासत की पहचान हैं। यह पर्व जल, जंगल और जमीन का सम्मान करने का संदेश देता है। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने लिखा, 'प्रकृति पर्व 'करमा पूजा' के पावन अवसर पर समस्त झारखण्डवासियों को शुभकामनाएं। करमा पूजा प्रकृति, संस्कृति और सामुदायिक एकजुटता का पर्व है। यह पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली लेकर आए, यही मंगलकामना है।'

वहीं, केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट के जरिए बताया कि करम पर्व पवित्र करम पेड़ से लेकर पारंपरिक गीतों और नृत्य की लय तक प्रकृति, भक्ति और समुदाय के उत्सव को एक साथ लाता है। करम देवता को शक्ति, युवावस्था और जीवन शक्ति से जोड़ा जाता है। यह त्योहार भादो महीने के 11वें दिन मनाया जाता है और फसल से जुड़ा है। यह पेड़ की पूजा, संगीत और नृत्य की जीवंत परंपरा है, जिसकी जड़ें झारखंड में हैं।

राहुल गांधी मानहानि केस: सुल्तानपुर एमपी-एमएलए कोर्ट में हुई सुनवाई

> 29 सितंबर अगली तारीख

सुल्तानपुर । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मानहानि मामले में एमपी-एमएलए की विशेष अदालत में सुनवाई हुई। परिवादी भाजपा नेता विजय मिश्र की ओर से अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने अदालत में अपनी दलीलें रखीं। करीब 45-50 मिनट तक बहस के बाद अदालत ने शेष बहस के लिए अगली तारीख 29 सितंबर तय की है। यह मामला वर्ष 2018 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर की गई कथित टिप्पणी से संबंधित है। शिकायतकर्ता भाजपा नेता विजय मिश्र ने आरोप लगाया है कि बेंगलुरु में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी ने अमित शाह के खिलाफ

आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। विजय मिश्र ने इसी टिप्पणी से आहत होने का हवाला देते हुए सुल्तानपुर की अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दाखिल किया था। मामले की सुनवाई बाद में एमपी-एमएलए विशेष अदालत में चलती रही। मामले की सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता पक्ष ने राहुल गांधी की आवाज के नमूने का मिलान उस रिकॉर्डिंग से कराने की मांग की थी, जिसे कथित टिप्पणी से संबंधित साक्ष्य के तौर पर पेश किया गया है।

छोटी घटनाएं बड़ी न बनें, डीएम-एसपी रखें नजर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचें प्रशासन व पुलिस के आलाधिकारी: मुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। प्रार्थना पत्रों का अवलोकन करने के उपरांत मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में वैमनस्यता फैलाने वाले लोग मामूली घटनाओं को बड़ा बनाना चाहते हैं। ऐसे में जनपदों में हर छोटी से छोटी घटना पर जिलाधिकारी व एसपी स्वयं नजर रखें। तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ितों की सुनवाई करें और दोषियों पर नियमानुसार कार्रवाई कर मामलों का पटाक्षेप कराएं। उन्होंने चेतावनी दी कि छोटी-छोटी घटनाओं में भी उदासीनता व लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। मुख्यमंत्री 'जनता दर्शन' में कुर्सियों पर बैठे हर पीड़ित से मिले। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना। मुख्यमंत्री ने प्रशासन, पुलिस, राजस्व, विद्युत आदि से जुड़ी शिकायतों का प्रार्थना पत्र लेते हुए कहा कि सरकार साढ़े 9 वर्ष से बिना भेदभाव हर पीड़ित की उचित समस्या का समाधान करा रही है। अधिकारी संवेदनशील होकर जनशिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। पात्र व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाएं, मरीजों के इलाज की व्यवस्था कराएं और भूमाफिया/दबंगों पर कठोरतम कार्रवाई करें। सीएम योगी आदित्यनाथ के समक्ष पुलिस व राजस्व से जुड़ीं शिकायतें अधिक

रहीं। इस पर मुख्यमंत्री सख्त हो गए। उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नर, एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी स्तर के अधिकारी नियमित रूप से जनसमस्याओं का जनपदों में निराकरण कराएं। यदि किसी मातहत द्वारा लापरवाही की शिकायत मिले तो उस पर भी कार्रवाई करें। सीएम ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

तमिलनाडु में आंधी-तूफान के साथ बारिश होने की संभावना, अलर्ट जारी

एजेंसी

चेन्नई । चेन्नई स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय रहने के कारण तमिलनाडु के कई हिस्सों में आंधी-तूफान और तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। ताजा अनुमान के मुताबिक, पश्चिमी घाट और दक्षिणी तमिलनाडु के जिलों में एक-दो जगहों पर दिन के समय हल्की से मध्यम बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। इन इलाकों में 50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे आंधी-तूफान के दौरान सावधान रहें और पेड़ों या कमजोर ढांचों के नीचे शरण लेने से बचें। मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून तेज हो गया है, जिससे तमिलनाडु और पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में कई जगहों पर बारिश हो रही है। बुधवार को भी मौसम के अस्थिर रहने की उम्मीद है। अनुमान के

> चेन्नई, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू, तिरुवल्लुर और रानीपेट जिलों में बुधवार को एक-दो जगहों पर आंधी-तूफान के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

मुताबिक, पश्चिमी घाट के जिलों में कुछ जगहों पर मध्यम बारिश के साथ आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। तमिलनाडु के बाकी जिलों के साथ-साथ पुडुचेरी और कराईकल में भी एक-दो जगहों पर हल्की बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।

प्रियंका चतुर्वेदी के पिता ने प्रधानमंत्री मोदी को भेंट की ब्रज की सांस्कृतिक विरासत पर पुस्तक

एजेंसी

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) की नेता एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी के पिता पुरुषोत्तम चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर उन्हें ब्रज की सांस्कृतिक विरासत पर लिखी अपनी पुस्तक भेंट की। प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने उनकी पिछली

मुलाकात के दौरान उनके परिवार से मिलने और उनके पिता से पुस्तक व्यक्तिगत रूप से प्राप्त करने का वादा किया था। उन्होंने कहा, ''मेरे पिता ने ब्रज पर एक पुस्तक लिखी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से मेरी पिछली मुलाकात में उन्होंने मेरे परिवार से मिलने और मेरे पिता से व्यक्तिगत रूप से पुस्तक लेने का वादा किया था। आज उन्होंने ऐसा किया और मेरे माता-पिता से मिलने के लिए समय निकाला।'' चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वह उनके समय और ''स्नेहपूर्ण शब्दों'' के लिए वास्तव में आभारी हैं। प्रधानमंत्री को पुस्तक भेंट करने के दौरान प्रियंका चतुर्वेदी के माता-पिता और उनके पति विक्रम भी मौजूद थे।

'स्थिर पृथ्वी और कल्याणकारी, निर्बाध आकाशरूपी आधार का आश्रय लें', पीएम मोदी ने साझा किया सुभाषित

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सुख और मंगल का संदेश देते हुए सुभाषित साझा किया गया। उन्होंने एक संस्कृत श्लोक के माध्यम से पापरहित और शुभ मार्ग पर चलने का संदेश दिया है। प्रधानमंत्री की ओर से संस्कृत श्लोक, 'सुत्रामाणं पृथिवीं द्यामनेहसं सुशर्माणमदितिं सुप्रणीतिम्। दैवीं नावं स्वरित्रामनागसो अस्रवन्तीमा रुहेमा स्वस्तये॥ साझा किया गया है, जिसका हिंदी भावार्थ है कि मनुष्य उत्तम संरक्षण करने वाली, स्थिर पृथ्वी और कल्याणकारी, निर्बाध आकाशरूपी आधार का आश्रय लें। पापरहित होकर, शुभ मार्ग से ले जाने वाली, उत्तम चप्पुओं से युक्त दिव्य नौका के समान कल्याणकारी साधनों का आश्रय लेकर सुख और मंगल को प्राप्त करें। प्रधानमंत्री की ओर से मुख्य रूप से ऋग्वेद के 10वें मंडल के 63वें सूक्त का 10वां मंत्र साझा किया गया है। यह मंत्र अथर्ववेद और शुक्ल यजुर्वेद में भी मिलता है। यह शुक्ल यजुर्वेद (अध्याय 21, मन्त्र 6) में भी आता है। इस मंत्र के माध्यम से 'स्वस्ति-वाचन' या कल्याण की प्रार्थना की गई है।

इस मन्त्र के माध्यम से देवताओं की स्तुति और जीवन-यात्रा की निर्विघ्न समाप्ति के लिए प्रार्थना की जाती है। इसमें मानव जीवन की तुलना एक समुद्र यात्रा से की गई है और ईश्वर (या दिव्य शक्तियों) से एक ऐसी सुरक्षित नौका (नाव) प्रदान करने की प्रार्थना की गई है जो जीवन रूपी सागर से पार लगा सके।

इस मन्त्र के माध्यम से ऋषि देवताओं से प्रार्थना करते हैं कि हे प्रभु! यह संसार एक अथाह सागर की तरह है, जिसमें सुख-दुख, उतार-चढ़ाव और कठिनाइयों का तूफान आता रहता है। इस संसार-सागर को पार करने के लिए हमें एक ऐसी दिव्य नौका (नाव) की आवश्यकता है जो 'सुरक्षित, अविनाशी, सुन्दर पतवारों वाली और कल्याणकारी' हो।

'सिंदूर से शौर्य तक' कार्यक्रम 26 सितंबर को दिल्ली में

वीर शहीदों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभक्ति, शौर्य, बलिदान और नारी शक्ति को समर्पित विशेष संगीतमय कार्यक्रम 'सिंदूर से शौर्य तक' का आयोजन 26 सितंबर को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब स्थित मावलंकर सभागार में किया जाएगा। मुंबई की आयोजन संस्था बॉली बोनांज़ा और राष्ट्रीय सैनिक संस्था के सहयोग से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को 'नारी उपलब्धि सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम का आयोजन रफी मार्ग, कनॉट प्लेस स्थित मावलंकर सभागार में किया जाएगा। कार्यक्रम का निर्देशन शशिकला कौशिक करेंगी। बॉली बोनांज़ा की स्थापना प्रियंका चौहान और पंकज सैनी ने की है। आयोजकों के अनुसार, 'सिंदूर से शौर्य तक' का उद्देश्य मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को नमन करना और उनकी वीरगाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। कार्यक्रम के माध्यम से शहीदों के परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ युवाओं को वीर जवानों के साहस, त्याग, समर्पण और राष्ट्रप्रेम से परिचित कराने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण 'नारी उपलब्धि सम्मान' होगा। इसके तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा, उद्यमिता, कला, संस्कृति और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। आयोजक प्रियंका चौहान ने कहा कि 'सिंदूर से शौर्य तक' केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि वीरता, बलिदान और नारी शक्ति को समर्पित पहल है। देश के वीर जवान सीमाओं पर राष्ट्र की रक्षा करते हैं, वहीं महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा, संघर्ष और नेतृत्व के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रही हैं। दोनों प्रेरणादायी शक्तियों को एक मंच पर सम्मानित करना आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। वहीं आयोजक पंकज सैनी ने कहा कि संगीत, कला और विशेष प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ समाज और देश का गौरव बढ़ाने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुंबई से आने वाले कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल, हास्य कलाकार वीआईपी पवार और गायक अरविंदर सिंह विशेष प्रस्तुतियां देंगी। देशभक्ति संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम और मनोरंजन प्रस्तुतियां आयोजन का हिस्सा होंगी। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के अध्यक्ष एवं वीर चक्र से सम्मानित कर्नल टी. पी. त्यागी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा सामाजिक क्षेत्र, उद्योग, कला एवं संस्कृति, मीडिया और अन्य क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे।

गाजियाबाद से वाराणसी तक 5 महानगरों में फास्ट फूड प्रतिष्ठानों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा चलाए जा रहे 'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के अंतर्गत फास्ट फूड रिटेल चेन एवं रेस्टोरेंट के विरुद्ध विशेष जांच अभियान लगातार जारी है। अभियान के तहत कानपुर नगर, आगरा, गाजियाबाद, प्रयागराज और वाराणसी में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की विशेष टीमों ने व्यापक निरीक्षण किया। विभाग की टीमों द्वारा इन पांच जनपदों में देर शाम तक 180 से अधिक फास्ट फूड रिटेल चेन एवं रेस्टोरेंट यूनिट्स का निरीक्षण किया गया है। गंभीर कमियां पाए जाने पर 110 से अधिक सुधार सूचनाएं (Improvement Notices) जारी की गईं। वहीं खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों का गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर 12 प्रतिष्ठानों तथा एक फूड कोर्ट का लाइसेंस निलंबित करते हुए खाद्य कारोबार बंद कराया गया है। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जहां भी गंभीर कमियां पाई जा रही हैं, वहां सुधार होने तक खाद्य कारोबार संचालित नहीं होने दिया जाएगा।

मप्र के बांधवगढ़ में बढ़ रहा गौर का कुनबा, कान्हा में वन भैंसा पुनर्स्थापना से मजबूत हो रहा पारिस्थितिकी तंत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश के उमरिया और मंडला जिले में स्थित बांधवगढ़ एवं कान्हा टाइगर रिजर्व में बड़े शाकाहारी वन्यजीवों के संरक्षण और पुनर्स्थापना के लिए किए जा रहे प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है। बांधवगढ़ में गौर (इंडियन बायसन) का कुनबा लगाता बढ़ रहा है। वहीं कान्हा टाइगर रिजर्व में वन भैंसा (वाइल्ड बफेलो) को पुनः बसाने की प्रक्रिया जारी है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने जानकारी देते हुए बताया कि गौर, जिसे भारतीय बायसन भी कहा जाता है, एशिया का सबसे बड़ा जंगली गौवंश है। बांधवगढ़ में गौर वर्ष 1998 में विलुप्त हो गया था। इसके बाद वर्ष 2011-12 में कान्हा से 50 गौर लाकर बांधवगढ़ में पुनः स्थापित किए गए। इनकी संख्या बढ़कर लगभग 170 तक पहुंची। आनुवंशिक विविधता बनाए रखने के उद्देश्य से सतपुड़ा से भी गौर लाने की योजना बनाई गई।

अमित शाह ने पेजावर मठ के संत विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामी से की भेंट

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने यहां पेजावर मठ के संत विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामी से भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें पेजावर मठ के पूज्य संत श्री विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामी जी से मिलने और नई दिल्ली में उनके 39वें पवित्र चातुर्मास्य व्रत के दौरान उनका आशीर्वाद लेने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में चातुर्मास्य व्रत का पवित्र अनुष्ठान त्याग के सर्वोच्च गुण से परिचित कराता है। हमारे पूज्य संत ध्यान, संयम और आत्मजागरण के माध्यम से इसका पालन करते हैं। गृहमंत्री ने कामना की कि स्वामी जी का आंतरिक प्रकाश मानवता के लिए मार्ग को निरंतर प्रकाशित करता रहे।

सीबीआई ने फरार सीजीएसटी अतिरिक्त आयुक्त को ऋषिकेश से पकड़ा

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के मामले में फरार चल रहे सीजीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त विनय कुमार कांठेती को ऋषिकेश से पकड़ लिया है। वह बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई के समक्ष पेश होने के बजाय फरार हो गए थे। सीबीआई ने उन्हें अब हिरासत में ले लिया है। सीबीआई की मुंबई स्थित भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने 26 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम- 1988 की धारा सात के तहत मामला दर्ज किया था। शिकायत में सीजीएसटी, खांदेश्वर, रायगढ़ के अधीक्षक राकेश कुमार सिन्हा पर शिकायतकर्ता की फर्म से संबंधित कार्रवाई के बदले अवैध रिश्वत मांगने का आरोप लगाया गया था। शुरुआत में 1.50 करोड़ रुपये की मांग की गई थी, जिसे बाद में घटाकर 40 लाख रुपये कर दिया गया। सीबीआई ने 27 अगस्त को जाल बिछाया। इस दौरान एक निजी व्यक्ति और कस्टम्स हाउस एजेंट नरेंद्र राजपूत को 40 लाख रुपये की कथित रिश्वत स्वीकार करते हुए पकड़ा गया। सीबीआई के अनुसार वह यह रकम सीजीएसटी अधीक्षक राकेश कुमार सिन्हा और अतिरिक्त आयुक्त विनय कुमार कांठेती की ओर से स्वीकार कर रहा था।

अमित शाह भाजपा मुख्यालय पहुंचे, सेवा संकल्प अभियान की समीक्षा की

भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक महीने का 'सेवा संकल्प अभियान' शुरू किया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक यहां उन्होंने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों और संगठन की रणनीति को लेकर बैठक की। बैठक में खास तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन को चिह्नित करने के लिए चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' और इससे जुड़े कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की गई। भाजपा ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक महीने का 'सेवा संकल्प अभियान' शुरू किया है। पार्टी के मुताबिक, अभियान का उद्देश्य सेवा गतिविधियों और जनसंपर्क कार्यक्रमों के जरिए प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन को रेखांकित करना है। मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में संवैधानिक पद संभाला था, जिसके 25 वर्ष 7 अक्टूबर 2026 को पूरे होंगे। अभियान के तहत रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, पौधरोपण, जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े लाभार्थियों तक पहुंच और युवाओं से जुड़े कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। भाजपा ने इसे सेवा और जनभागीदारी से जोड़कर देशभर में आयोजित करने की बात कही है। अभियान के प्रमुख कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री मोदी के जन्मस्थान वडनगर और उनकी संसदीय कर्मभूमि वाराणसी को जोड़ने वाली बाइक यात्राएं भी शामिल हैं। दोनों दिशाओं से शुरू हुई इन यात्राओं को युवाओं की भागीदारी और जनसंपर्क से जोड़ा गया है। रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों यात्राएं कई राज्यों और जिलों से गुजरने वाली हैं। 17 सितंबर को अभियान की शुरुआत के मौके पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने पार्टी मुख्यालय में रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया था। वहीं, देश के अलग-अलग हिस्सों में 'आशीर्वाद का दीया' समेत सेवा और जनसंपर्क से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए।

ड्रग के साथ युवक गिरफ्तार, 46.79 ग्राम एमडी बरामद

एजेंसी

जोधपुर। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालो की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 46.79 ग्राम एमडी (मेफेड्रोन) बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान अशोक पुत्र जेठाराम, जाति तांडी जाट, उम्र 23 वर्ष,

निवासी करणी नगर, बड़लिया के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने आरोपी को ऋतु वेन्यू गार्डन के सामने, पाल बालाजी क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधि के आधार पर पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से कुल 46.79 ग्राम अवैध एमडी (मेफेड्रोन) बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ के संबंध में पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में आगे की जांच जारी है।

दिल्ली में एसआईआर के तहत 33.1 लाख मतदाताओं को नोटिस, वेबसाइट पर सूची जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत लगभग 33.1 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं और उनकी मतदान केंद्र-वार सूची कारणों के साथ दिल्ली मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है।

सीईओ अशोक कुमार ने विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के दावे और आपत्ति की अवधि और अन्य संबंधित मामलों के बारे में राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आयोग एक पारदर्शी, भागीदारीपूर्ण और समावेशी संशोधन प्रक्रिया के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराता है। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 'कोई भी पात्र नागरिक छूट न जाए और किसी भी अपात्र व्यक्ति को मतदाता सूची में शामिल न किया जाए', यह सुनिश्चित करता है। सीईओ ने बताया कि एसआईआर के दौरान जिन मतदाताओं को नोटिस

जारी किए गए हैं, उनकी सूची कारणों के साथ वेबसाइट जारी कर दी गई है। नोटिस जारी होने का मतलब यह नहीं है कि मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया जाएगा। मतदाता संबंधित ईआरओ/एईआरओ को जवाब और जरूरी डॉक्यूमेंट्स जमा कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना उचित सुनवाई के बिना कोई नाम नहीं हटाया जा सकता है। नोटिस और दावों/आपत्तियों का निपटारा 29 अक्टूबर तक कर दिया जाएगा, और अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को पब्लिश की जाएगी। सीईओ ने बताया कि बेघर लोगों, ट्रांसजेंडर लोगों और सेक्स वर्कर्स के लिए भी स्पेशल कैंप लगाए जा रहे हैं। जो योग्य लोग ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल नहीं हैं, वे 30 सितंबर तक जरूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ फॉर्म 6 जमा कर सकते हैं।

पिथौरागढ़ में भारत-मंगोलिया सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलिफेंट' शुरू

एजेंसी

देहरादून। भारत और मंगोलिया के बीच 18 वां संयुक्त सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलिफेंट' उत्तराखंड के पिथौरागढ़ स्थित विदेशी प्रशिक्षण केंद्र में शुरू हुआ। 21 सितंबर से तीन अक्टूबर तक चलने वाले इस अभ्यास में दोनों देशों की सेनाओं के 45-45 जवान हिस्सा ले रहे हैं।

लेफ्टिनेंट कर्नल चेतन सिंह कबसूड़ी, जनसंपर्क अधिकारी (रक्षा) देहरादून, उत्तराखंड की ओर से बताया गया कि वार्षिक प्लाटून स्तरीय यह अभ्यास भारत और मंगोलिया में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के जनादेश के तहत अर्ध-शहरी और पर्वतीय क्षेत्रों में आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए दोनों सेनाओं की संयुक्त क्षमता और अंतर-संचालनीयता को बढ़ाना है। अभ्यास के दौरान दोनों सेनाएं सामरिक स्तर के अभियानों और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान करेंगी। प्रशिक्षण में

घेराबंदी एवं तलाशी अभियान, कक्ष गतिविधि अभ्यास, विशेष हेलीकॉप्टर अभियान, साइबर सुरक्षा तथा ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियों के इस्तेमाल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सैनिकों को वास्तविक संचालन परिस्थितियों में संयुक्त प्रशिक्षण और अभ्यास का अवसर मिलेगा। इससे दोनों सेनाओं के बीच समन्वय और संयुक्त रूप से अभियान संचालित करने की क्षमता को मजबूत करने में मदद मिलेगी। पिछला 'नोमैडिक एलिफेंट' अभ्यास मई-जून 2025 में मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में आयोजित किया गया था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मौजूदा अभ्यास भारत और मंगोलिया के बीच रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के साथ दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक मित्रता और आपसी विश्वास को मजबूत करेगा।

करतारपुर कॉरिडोर खोलने की मांग पर भारत-पाकिस्तान में हुई अरदास

अकाल तख्त जत्थेदार पाकिस्तानी पंज प्यारों को नहीं दे सके सिरोपा

एजेंसी

डेरा बाबा नानक। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बन्द किए गए श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर को दोबारा खोलने की मांग को लेकर सोमवार देर शाम भारत-पाकिस्तान सीमा के दोनों ओर सिख संगत ने धार्मिक अरदास कार्यक्रम आयोजित किए।

भारत की सीमा में अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज के नेतृत्व में संगत डेरा बाबा नानक से जीरो लाइन की ओर बढ़ी, लेकिन सीमा सुरक्षा बल ने जत्थे को जीरो लाइन से कुछ दूरी पहले रोक दिया। यह कार्यक्रम पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के आह्वान पर आयोजित किया गया था। पाकिस्तान की ओर गुरुद्वारा श्री दरबार साहिब, करतारपुर साहिब से

गुरु नानक देव जी के ज्योति-जोत दिवस के अवसर पर नगर कीर्तन निकाला गया और संगत पाकिस्तानी सीमा की ओर जीरो लाइन के नजदीक पहुंची।

भारत की तरफ से जत्थेदार गड़गज्ज ने बीएसएफ अधिकारियों से पांच सिखों के जत्थे को जीरो लाइन तक जाने की अनुमति देने की मांग की। उनका उद्देश्य श्री गुरु ग्रंथ साहिब के लिए रुमाला साहिब और पंज प्यारों के लिए सिरोपे सौंपना था। अनुमति नहीं मिलने के बाद जत्थेदार और संगत बैरिकेड के सामने ही बैठ गए। वहां रहिरास साहिब का पाठ, शबद कीर्तन और अरदास की गई।

अरदास में श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर को जल्द खोलने, भारत और पाकिस्तान के बीच शांति तथा पंजाब के रास्ते सीमा पार व्यापार बहाल होने की कामना की गई। मीडिया से बातचीत में जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने कहा कि सिख संगत को जीरो लाइन तक जाकर अरदास करने से रोकना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान की सरकारों को सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को समझते हुए करतारपुर साहिब कॉरिडोर खोलने का निर्णय लेना चाहिए। जत्थेदार ने कहा कि सिख रोजाना 'सरबत के भले' की अरदास करते हैं और की गई अरदास भी दोनों देशों में शांति तथा संगत के लिए करतारपुर साहिब के खुले दर्शन-दीदार की कामना के लिए थी। उन्होंने सीमा पार व्यापार खोलने की भी मांग की और कहा कि इससे पंजाब के साथ हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों के किसानों तथा व्यापारियों को फायदा हो सकता है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जब तक कॉरिडोर नहीं खुलता, वह प्रत्येक महीने संगत के साथ डेरा बाबा नानक पहुंचकर इसके लिए अरदास करेंगे।

गुरु तेग बहादुर के बलिदान ने औरंगजेब के मंसूबे विफल किए : डॉ. कृष्ण गोपाल

एजेंसी

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि औरंगजेब की सोच थी कि भारतीयों को कष्ट देकर और उन्हें सताने से वे अपना धैर्य खो देंगे तथा धर्म छोड़ देंगे, लेकिन धर्म की रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर के बलिदान ने उसके सभी मंसूबों को विफल कर दिया।

डॉ. कृष्ण गोपाल राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में श्री गुरु गोविंदसिंह चेयर फॉर नेशनल इंटीग्रेशन एंड सिख स्टडीज तथा भारतीय अभ्युत्थान समिति, राजस्थान के संयुक्त तत्वाधान में गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित व्याख्यान को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने गुरु नानकदेव के जीवन और भारत भ्रमण का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके प्रभाव से देशभर में अध्यात्म की एक लहर उठी, जो

भारत का रक्षा कवच बनी। इसी परंपरा में गुरु हरगोविंद ने धर्म की रक्षा का संकल्प लिया और आगे गुरु तेग बहादुर ने धर्म की रक्षा के लिए आत्मबलिदान दिया। इसी कारण उन्हें 'हिंद की चादर' कहा जाता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रूपिंदर सिंह ने गुरुजनों की शिक्षाओं को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने गुरु तेग बहादुर की करुणा और प्रेम के सिद्धांतों के माध्यम से सामाजिक समरसता और एकता को मजबूत करने पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलगुरु कल्पना कटेजा ने गुरु परंपरा को भारत की महान विरासत बताते हुए विश्व एकता के लिए गुरुजनों की शिक्षाओं के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' से हुई। इस अवसर पर गुरु तेग बहादुर के जीवन पर आधारित संक्षिप्त एनिमेटेड डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में भारतीय अभ्युत्थान समिति के अध्यक्ष डॉ. रमेश चंद्र अग्रवाल ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

आईआईटी मुंबई में प्रोफेसर दुल्ला के समर्थन में फैकल्टी फोरम का मार्च

एजेंसी

मुंबई। आईआईटी मुंबई के छात्र साहिल वाकोडे की मौत के बाद संस्थान परिसर में तनाव और विरोध प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। वाकोडे के परिजनों ने एक प्रोफेसर और संस्थान प्रशासन पर जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, संस्थान के फैकल्टी फोरम ने इन आरोपों के बीच प्रोफेसर सूर्यनारायण दुल्ला के समर्थन में बयान जारी किया है। आईआईटी मुंबई फैकल्टी फोरम के अध्यक्ष प्रोफेसर राजकुमार एस. पंत ने कहा कि मीडिया में प्रोफेसर दुल्ला को संस्थान से निलंबित किए जाने संबंधी खबरें सही नहीं हैं। फोरम के मुताबिक, दुल्ला संस्थान के संकाय सदस्य बने हुए हैं। फोरम ने स्पष्ट किया कि वाकोडे की मौत की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच को

सुविधाजनक बनाने के लिए प्रोफेसर दुल्ला को उनके प्रशासनिक दायित्वों से अस्थायी रूप से मुक्त किया गया था। फोरम ने उनके डीन (छात्र कल्याण) के कार्यकाल के दौरान छात्रों के कल्याण के लिए किए गए कार्यों का भी उल्लेख किया। प्रोफेसर दुल्ला के समर्थन में फैकल्टी फोरम ने परिसर स्थित नंदन नीलेकनी मुख्य भवन से एक मार्च निकाला। फोरम ने उनके खिलाफ प्रकाशित मीडिया रिपोर्टों को लेकर भी चिंता जताई और उन्हें कथित तौर पर भ्रामक बताया। दूसरी ओर, साहिल वाकोडे की मौत के बाद उनके परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार एफआईआर में प्रोफेसर दुल्ला का नाम भी शामिल है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच के लिए फोरेंसिक टीम भी आईआईटी मुंबई परिसर पहुंची है। आरोपों और उनकी परिस्थितियों की जांच अब पुलिस की जांच का विषय है। मामले में लगाए गए आरोपों की अंतिम पुष्टि जांच और संबंधित कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खेती के साथ पशुपालन, दूध उत्पादन और नई तकनीक अपनाने के लिए किसानों को किया प्रेरित

किसानों की समृद्धि हमारा संकल्प हैं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि हमारा संकल्प है। किसानों के लिए खेती के साथ पशुपालन, दूध उत्पादन, नई तकनीक अपनाना जरूरी हैं। किसानों द्वारा किए जा रहे नवाचार और कृषि उद्योगों की स्थापना से दिन-प्रतिदिन स्थितियां बदल रही हैं। मऊगंज भले ही नया जिला है, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों, सांस्कृतिक विरासत और यहां के लोगों के परिश्रम से जिले का तेजी से विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाले समय में किसानों को दिन में ही दस घंटे बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। राज्य सरकार किसानों की कठिनाइयों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह विचार मऊगंज में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मंत्रालय से संबोधित करते हुए व्यक्त की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मऊगंज के कार्यक्रम में शामिल हो रहे किसानों और जन सामान्य को डोल ग्यारस की बधाई दी। उन्होंने देव तालाब में विराजे भोलेनाथ और अष्टभुजा महारानी को वर्चुअल नमन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे किसान नीम कोटेड यूरिया, नैनो यूरिया, उच्च गुणवत्ता वाले बीज और प्राकृतिक खेती जैसे प्रयासों से कम लागत से अधिक उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उद्यानिकी में भी किसान नए प्रयोग कर रहे हैं। स्ट्रॉबेरी, काला आलू, विशेष का किस्म के तरबूज और मखाने जैसी नवाचार आधारित खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मऊगंज के टमाटर और प्याज के स्वाद

के लोग दीवाने हैं। मत्स्य पालन, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण जैसी गतिविधियां भी किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सीतापुर-हनुमना, सूक्ष्म दबाव सिंचाई योजना का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे 1 लाख 20 हजार हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। मऊगंज जिले में गौरमा, नैना और गाड़ा तीन बड़े बांध हैं। इसके साथ ही नई गढ़ी सूक्ष्म दबाव सिंचाई परियोजना पर भी तेजी से काम किया जा रहा है। जिले में खेती मजबूत हो किसान समृद्ध हो कृषि आधारित उद्योग लगे और युवाओं को अपने ही जिले में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिले, इसी दिशा में राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों को खेती के साथ दुग्ध उत्पादन को भी प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ मिलकर सांची के ब्रांड को आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से इस पहल का लाभ लेते हुए दुग्ध उत्पादन बढ़ाकर अपनी आय में वृद्धि करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मऊगंज के उन्नत किसानों श्री जसमन पटेल, श्री तुलसीराम पांडे, श्रीमती अनीता मिश्रा, श्री उमाशंकर त्रिपाठी से कृषि के क्षेत्र में उनके द्वारा किए जा रहे नवाचारों और कृषि से संबंधित अन्य विषयों पर वर्चुअली चर्चा की। मऊगंज में आयोजित कार्यक्रम में विधायक श्री प्रदीप पटेल और अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री महेन्द्र सिंह यादव विशेष रूप से उपस्थित थे।

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान एवं फेन अभयारण्य के लिए निगरानी समिति गठित

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना अनुसार मण्डला जिले में स्थित कान्हा राष्ट्रीय उद्यान एवं फेन अभयारण्य को पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में अधिसूचित किया गया है। इस क्षेत्र की निगरानी के लिए राज्य शासन द्वारा निगरानी समिति (मॉनिटरिंग कमेटी) का गठन किया गया है।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति में संभागीय आयुक्त जबलपुर को पदेन-अध्यक्ष बनाया गया है। जिला कलेक्टर मंडला और बालाघाट, उप संचालक कोर और बफर कान्हा टाइगर रिजर्व, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के सहायक संचालक मंडला, क्षेत्रीय अधिकारी, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जबलपुर, अधीक्षण अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मंडला और बालाघाट, जिला पंचायत मंडला और बालाघाट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, जैव विविधता विशेषज्ञ - श्री पी.एस. मसराम भा.व.से. (सेवानिवृत्त) मण्डला, डॉ. अनिरूध्द मजूमदार वैज्ञानिक राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर एवं अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग सिवनी सदस्य होंगे। क्षेत्र निदेशक कान्हा टाइगर रिजर्व मंडला को सदस्य- सचिव नामित किया गया है।

निगरानी समिति के दायित्व भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना 12 मार्च 2021 के अनुसार होंगे।

स्वर्गीय श्री माहेश्वरी का जीवन राष्ट्रसेवा और निर्भीक पत्रकारिता की प्रेरणाः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

स्वर्गीय श्री रामगोपाल माहेश्वरी के नाम पर मार्ग की नामपट्टिका का किया अनावरण

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने भोपाल में स्वर्गीय श्री रामगोपाल माहेश्वरी जी के नाम पर मार्ग की नामपट्टिका का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वर्गीय श्री माहेश्वरी के राष्ट्र और पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि यह सभी के लिए गौरव और आनंद का क्षण है। कुछ व्यक्तित्व केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए होते हैं और उनके विचार एवं आदर्श आने वाली पीढ़ियों को दिशा देते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वर्गीय श्री माहेश्वरी ने स्वतंत्रता से पहले प्रेस की स्थापना की। उस दौर में जब देश स्वतंत्रता आंदोलन के कठिन दौर से गुजर रहा था, उन्होंने राष्ट्र के प्रति समर्पित होकर निर्भीकता से पत्रकारिता को आगे बढ़ाया। भारत छोड़ो आंदोलन में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनका जीवन राष्ट्रहित, सामाजिक सरोकार और पत्रकारिता के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के सजग प्रहरी है। यह आवश्यक है कि जनहित से जुड़े विषयों को प्रमुखता से सामने लाएं और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सजग एवं निर्भीक भूमिका निभाएं। स्वर्गीय श्री माहेश्वरी ने अपने कार्यों से पत्रकारिता के इसी दायित्व को मजबूत किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मार्ग का नाम स्वर्गीय श्री माहेश्वरी के नाम पर होना उनके योगदान के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

इस मार्ग से गुजरने वाले लोग उनके नाम और योगदान से परिचित होंगे। जब-जब कोई व्यक्ति इस मार्ग से निकलेगा, स्वर्गीय श्री माहेश्वरी के आदर्शों और राष्ट्रसेवा के प्रति उनके समर्पण का स्मरण होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भारत की संस्कृति में 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना निहित है। भारत शांति, मानव कल्याण और विश्व बंधुत्व की भावना के साथ विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है।

प्रदेश की 32 हजार मेगावाट ऊर्जा क्षमता में से 30 प्रतिशत हिस्सा क्लीन एनर्जी का है

नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादन और ऊर्जा भंडारण समग्र पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश, पावर कट से पावर सरप्लस स्टेट अर्थात बिजली गुल से बिजली फुल राज्य बना है। हमारा प्रदेश आज देश के उन चुनिंदा राज्यों में से एक है जो अपनी ऊर्जा जरूरत से आगे बढ़कर देश की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने की क्षमता रखते हैं। वर्तमान में नवकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण केवल देश ही नहीं, अपितु समग्र पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। आज मध्यप्रदेश में 32 हजार मेगावाट की ऊर्जा क्षमता है, जिसमें से 30त्न हिस्सा क्लीन एनर्जी का है। मध्यप्रदेश, विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण की किफायती खरीद विषय पर आयोजित ऑल इंडिया डिस्काम एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ अवसर पर यह विचार व्यक्त किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस का होटल मैरिएट में दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर पुस्तक %सैलियंट पॉवर स्टैटिस्टिक्स वर्ष 2024-25 से 2025-26% विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्युत वितरण कम्पनियों के इस साझा मंच से ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों के ठोस समाधान निकलेंगे। इस अवसर पर ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञ तथा ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल श्री आलोक कुमार, प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री मनीष सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। कॉन्फ्रेंस

में देश के विभिन्न विद्युत कम्पनियों के प्रतिनिधि तथा ऊर्जा विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान समय में सभी क्षेत्रों में बिजली अनिवार्य आवश्यकता बन गई है। राज्य सरकार बिजली की खपत बढ़ाने के साथ-साथ इसके उत्पादन और संधारण पर विशेष ध्यान दे रही है। राज्य में बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए नई तकनीक के साथ नई इकाईयां प्रारंभ की गई हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में देश में 360 डिग्री बदलाव आया है। जब जी-20 सम्मेलन में ग्रीन-क्लीन एनर्जी का उत्पादन बढ़ाने और उपयोग का मुद्दा उठा, तो भारत ऐसा देश रहा, जिसने 50 प्रतिशत ग्रीन एनर्जी उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त करके दिखाया है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प से ही संभव हो पाया है। अब हम नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में अपने रिकॉर्ड स्वयं तोड़ते जा रहे हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के सभी क्षेत्रों की अपनी एक अलग विशेषता है। ग्रीन- गो ने नीमच-मंदसौर में 2000 मेगावॉट क्षमता का प्लांट स्थापित किया है। यह देश का सबसे अनूठा और सबसे बड़ा प्रोजेक्ट होगा। आमतौर पर इतनी बड़ी परियोजना का काम पूरा होने में 4 से 6 वर्ष लग जाते हैं, लेकिन सौभाग्य का विषय है कि मध्यप्रदेश में यह काम केवल दो से ढाई साल में पूर्ण हो रहा है। राज्य सरकार बिजली उत्पादन में आ रही सभी प्रकार की चुनौतियों का समाधान करने के लिए तत्पर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश को सौर ऊर्जा की शक्ति से परिचित कराया है। देश में सौर ऊर्जा के उपयोग के कारण कार्बन उत्सर्जन में 20 करोड़ टन से अधिक गिरावट दर्ज की गई है। थर्मल पॉवर और अन्य पारंपरिक तरीकों के स्थान पर अब हम विंड, सोलर और पंप स्टोरेज से बिजली बना रहे हैं। मध्यप्रदेश में अब पानी से और पानी पर भी बिजली बन रही है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र अभूतपूर्व बदलाव से गुजर रहा है। हमारी जिम्मेदारी केवल बढ़ती विद्युत मांग को पूरा करना नहीं, बल्कि उसे विश्वसनीय, टिकाऊ और किफायती बनाना है। भविष्य के लिए हमें सौर, पवन और ऊर्जा भंडारण का ऐसा संतुलित मिश्रण विकसित करना होगा, जिससे ऊर्जा संक्रमण की लागत न बढ़े और उपभोक्ताओं पर आर्थिक भार न पड़े।

मंत्री भूरिया ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से अधिकारियों को दिए जनभागीदारी और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

97,882 आंगनवाड़ी केंद्रों पर गूंजेगा 'सेवा, पोषण और सम्मान' का संकल्प

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश में आंगनवाड़ी केंद्रों को केवल शासकीय सेवाओं के वितरण स्थल के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, पोषण, सीखने, सहभागिता और सम्मान के जीवंत केंद्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से प्रदेशव्यापी 'आंगन मिलन सेवा' अभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत 26 सितंबर से 5 अक्टूबर 2026 तक प्रदेश के सभी 97,882 आंगनवाड़ी केंद्रों पर तीन दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन होगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने मंगलवार को मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के अधिकारियों को अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन, जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता और व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री भूरिया ने कहा कि 'आंगन मिलन सेवा' को केवल एक कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे समुदाय और आंगनवाड़ी के बीच मजबूत जुड़ाव का माध्यम बनाया जाए। अभियान का मूल उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों, माताओं, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा अन्य हितग्राहियों तक पोषण, स्वास्थ्य और कल्याण सेवाओं की नियमित एवं प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र पर ऐसा वातावरण निर्मित किया जाए, जिसमें सेवा के साथ सम्मान और जनभागीदारी भी दिखाई दे। अभियान के प्रथम दिवस बाल स्वास्थ्य और आनंदमयी गतिविधियों पर विशेष जोर रहेगा। आंगनवाड़ी केंद्रों पर वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, 3 से 6 वर्ष आयु के बच्चों की गतिविधियां, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के संदेशों का वाचन तथा डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन किया जाएगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और आशा कार्यकर्ता का सम्मान भी किया जाएगा। इसके साथ ही 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों की माताओं, गर्भवती एवं धात्री माताओं तथा महिला हितग्राहियों से संवाद होगा।

स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। गर्भावस्था एवं प्रसवोत्तर देखभाल, संतुलित आहार, एनीमिया, स्तनपान और शिशु देखभाल जैसे विषयों पर पोषण संवाद आयोजित होंगे। बच्चों को फल एवं मिठाई का वितरण भी किया जाएगा। अभियान के द्वितीय दिवस को 'मेरी कहानी, मेरी सफलता' की थीम पर लाभार्थी संवाद आयोजित किए जाएंगे। विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित महिलाओं और परिवारों के अनुभव सामने लाए जाएंगे। लाभार्थी माताओं को अपने जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को साझा करने का अवसर दिया जाएगा। साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना, टेक होम राशन, गर्म पका भोजन, पोषण सेवाओं सहित महिला एवं बाल कल्याण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी सरल एवं बोलचाल की भाषा में दी जाएगी। महिला एवं बाल विकास मंत्री भूरिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जनप्रतिनिधियों को सम्मानपूर्वक आमंत्रित कर उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधिगण कार्यक्रमों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें और आंगनवाड़ी केंद्रों पर आयोजित गतिविधियों की शोभा बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों, विभागीय अमले और समुदाय की सहभागिता से अभियान को व्यापक जन-अभियान का स्वरूप दिया जाए। मंत्री भूरिया ने अभियान की प्रभावी रिपोर्टिंग और दस्तावेजीकरण पर विशेष जोर दिया। प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र पर कार्यक्रम के फोटो और वीडियो तैयार करने तथा कम से कम एक सफलता की कहानी पर वीडियो निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सफलता की कहानियों में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी एवं लाड़ली बहना योजना, पोषण सेवाओं, कुपोषण से सामान्य श्रेणी में आए बच्चों, पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान क्षेत्र के हितग्राहियों, स्पॉन्सरशिप, पीएम केयर्स, मुख्यमंत्री बाल कोविड सेवा योजना तथा सुकन्या समृद्धि योजना से जुड़े अनुभवों को प्रमुखता दी जाएगी।

मार्गों के गड्ढे तत्काल भरने और बंद स्ट्रीट लाइटें चालू करने के दिए निर्देश

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने अवधपुरी में किया सड़कों का निरीक्षण

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के अवधपुरी स्थित आदर्श विहार, रीगल टाउन, सरला स्टेट, न्यू फोर्ट कॉलोनी एवं कंचन नगर में सड़कों की स्थिति तथा मूलभूत नागरिक सुविधाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मार्गों की जर्जर स्थिति, स्थान-स्थान पर उभरे गड्ढों एवं खुले सीवेज नेटवर्क को देखकर राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने गहरा असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कार्यपालक एजेंसियों एवं ठेकेदारों की शिथिलता पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में सुधारात्मक कार्यवाही पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि निर्माण एजेंसियों एवं ठेकेदारों की लापरवाही का खामियाजा आम नागरिकों को नहीं भुगतने दिया जाएगा। आगामी पर्वों एवं त्योहारों के दृष्टिगत नागरिकों को सुगम, सुरक्षित एवं बाधारहित आवागमन उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए उन्होंने वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों के गड्ढों का भराव कार्य तत्काल एवं पूर्ण मजबूती के साथ कराने के निर्देश दिए। साथ ही राजस्व एवं नगर निगम दल को सीमांकन कर सड़कों पर व्याप्त अतिक्रमण अविलंब हटाने तथा आवश्यकतानुसार मार्ग चौड़ीकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि दिन के समय आमजन की आवाजाही एवं यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए सड़कों के निर्माण एवं संधारण कार्य मुख्य रूप से रात्रिकालीन समय में निष्पादित किए जाएं। क्षेत्र की प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने के संबंध में राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने बंद पड़ी समस्त स्ट्रीट लाइटों को आगामी 10 दिवस की निर्धारित समय-सीमा में अनिवार्य रूप से चालू करने के निर्देश दिए। उन्होंने रहवासी क्षेत्र में नियमों के विपरीत संचालित गोदाम को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी कर सीलिंग की कठोर कार्यवाही करने के भी आदेश दिए। रहवासियों से संवाद करते हुए उन्होंने आश्वस्त किया कि मानसून पश्चात क्षतिग्रस्त मार्गों के स्थाई एवं गुणवत्तापूर्ण पुनर्निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया

जाएगा। स्थलीय निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, नगर पालिक निगम भोपाल तथा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

जिला सहकारी बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों का प्रशिक्षण

सहकारी बैंक के सीईओ 2 माह के अंदर अधीनस्थ सभी पैक्स का कर लें निरीक्षण : मंत्री सारंग

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अपने अधीनस्थ सभी पैक्स का निरीक्षण 2 माह के अंदर सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अपने बैंक को अपग्रेड करने की जिम्मेदारी स्वयं मुख्य कार्यपालन अधिकारी की है। वह अनुशासन और एकरूपता के साथ सफलता हासिल कर सकते हैं। बैंक में नवाचार कर एक अलग पहचान बनाई जा सकती है। मंत्री श्री सारंग समन्वय भवन में सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

युवा अधिकारी पुराने अधिकारी-कर्मचारियों के अनुभव का लें लाभ

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सीईओ के पद पर नये एवं युवा अधिकारी पदस्थ हुए हैं। उनके लिये यह प्रशिक्षण कार्यक्रम लाभप्रद सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि पुराने अधिकारी-कर्मचारियों के अनुभव का लाभ भी उन्हें लेना चाहिये और उनका सम्मान भी बनाये रखना चाहिये। श्री सारंग ने कहा कि सीईओ अपने कलेक्टर से सतत सम्पर्क में रहें। साथ ही जिले के अधिकारियों से बेहतर समन्वय बनाये रखें। उन्होंने कहा कि सुव्यवस्था स्थापित करने के लिये अपने अधीनस्थ पैक्स को चैनेलाइज करें।

सेवा नियमों में एकरूपता लाकर जल्द होंगे प्रमोशन

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि जल्द ही सेवा नियमों में एकरूपता लाकर प्रमोशन की कार्यवाही की जायेगी। अपेक्स बैंक में भी प्रमोशन जल्द होंगे। उन्होंने सभी सीईओ से वन-टू-वन चर्चा की। कार्यशाला में राज्य शासन द्वारा खरीफ एवं रबी की अलग-अलग साख सीमाओं के स्थान पर वर्षभर एक साख सीमा की उपलब्धता एवं नवीन किसान क्रेडिट कार्ड की ऑनलाइन/तकनीकी प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यशाला में जिला बैंकों से अपेक्षाएँ, प्रक्रियाओं का सरलीकरण, कवच योजना, प्रश्न-उत्तर और फीडबेक सेशन भी हुआ। इस अवसर पर सहकारिता आयुक्त एवं पंजीयक श्री दीपक सिंह, अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता, अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य श्री पी.एस. तिवारी, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्रीमती अरूणा दुबे, श्री अरूण मिश्रा, उप महाप्रबंधक श्री के.टी. सज्जन औरश्री अरविंद बौद्ध भी उपस्थित थे।

जी मिचलाना से कब्ज तकप्रेग्नेंसी की समस्याओं में काम आएंगी एक्सपर्ट की बताई ये 5 रेमेडीज

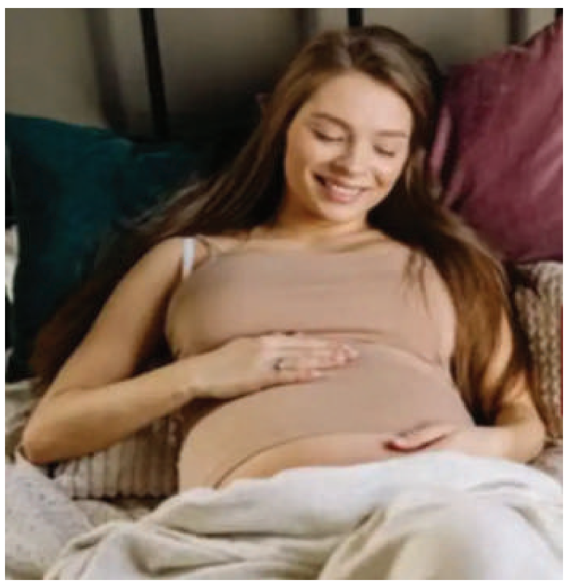

प्रेग्नेंसी में जी मिचलाना, कब्ज होना, पैरों में सूजन जैसी समस्याएं काफी आम होती हैं. इस समय बार-बार दवाएं लेना भी सही नहीं मानते हैं. सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट ने वाटर बेस्ड 5 रेमेडीज बताई हैं.

प्रेग्नेंसी फेज हर महिला की जिंदगी के सबसे खास पलों में से एक होता है, लेकिन इस दौरान शरीर को ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है. महिलाओं में कई तरह के हार्मोनल और शारीरिक बदलाव भी हो रहे होते हैं, इसलिए पाचन से जुड़ी दिक्कतें होना, खासकर कब्ज की दिक्त कई महिलाओं को होती है. वहीं प्रेग्नेंसी में पैरों में सूजन होना, जी मिचलाना जैसी दिक्कतों का भी सामना करना पड़ता है. ऐसे में राहत पाने के लिए नेचुरल चीजें काफी कारगर मानी जाती हैं.सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता शाह स्किन से लेकर हेयर और सेहत से जुड़ी जानकारी शेयर करती रहती हैं. उन्होंने प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाली समस्याओं से राहत पाने के लिए नेचुरल और बेहद ही सिंपल रेमेडी बताई हैं. अगर आप भी प्रेग्नेंसी फेज में हैं तो ये रेमेडीज आपके काम आ सकती हैं.

सिरदर्द-जी मिचलाना

न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता शाह कहती हैं कि अगर आपको सिरदर्द हो रहा है और जी मिचला रहा हो तो गर्म पानी में पेपरमिंट यानी पुदीना डालकर पिएं. ये आपको फ्रेशनेस और राहत महसूस कराता है.

जी मिचलाने की समस्या

प्रेग्नेंसी के दौरान खासतौर पर सुबह सोकर उठने के बाद महिलाओं को जी मिचलाने की समस्या होती है. ऐसे में आप गर्म पानी में चुटकी भर हींग, इतनी ही काली मिर्च और काला नमक डालकर पी सकती हैं.

कब्ज की समस्या होना

प्रेग्नेंसी फेज में हैं और कब्ज की समस्या हो रही है यानी सुबह सही से पेट साफ नहीं होता है तो गर्म पानी में थोड़ा सा शुद्ध देसी घी डालकर पिएं. ये आपकी आंतों को अंदर से नम और चिकना बनाए रखने में मदद करता है, जिससे पाचन सुधरता है. कब्ज से राहत मिलती है.

सूजन की समस्या से राहत

प्रेग्नेंसी में बहुत सारी महिलाओं के पैरों में सूजन आ जाती है. अगर आपके साथ भी ऐसा है तो शरीर में पानी की कमी न होने दें. इसके अलावा आप गर्म पानी में सी सॉल्ट डालकर इससे पैरों की सिकाई कर सकती हैं.

एनीमिया (खून की कमी)

कई महिलाओं को प्रेग्नेंसी में खून की कमी हो जाती है. ऐसे में आप क्लोरोफिल ड्रॉप्स ले सकती हैं. हालांकि सिर्फ इसी पर निर्भर न रहें. डॉक्टर से चेकअप करवाएं और आयरन, फोलेट जैसे सप्लीमेंट की जरूरत हो तो वो लेना चाहिए.

नोट- अगर आप प्रेग्नेंसी में लगातार इस तरह की समस्याओं से जूझ रही हैं और ज्यादा दिक्कत हो रही है तो अपने डॉक्टर से सलाह लेना उचित रहता है. इसके अलावा किसी तरह की हेल्थ कंडीशन हैं तो भी डॉक्टर से पूछकर भी किसी तरह की रेमेडी अपनानी चाहिए.

राहुल मेहनत कर रहे हैं और कांग्रेसी उस पर पानी फेर रहे

राहुल के छात्रों के गूंज कार्यक्रम की अब चौतरफा चर्चा है। छात्रों से कोई पंगा नहीं ले सकता।

राहुल के छात्रों के गूंज कार्यक्रम की अब चौतरफा चर्चा है। छात्रों से कोई पंगा नहीं ले सकता। इसलिए न चाहते हुए भी गोदी मीडिया को छात्रों की आवाज दिखाना पड़ रही है। गोदी मीडिया देख चुका है कि छात्रों की बात न सुनने का खामियाजा मोदी सरकार को किस तरह उठाना पड़ा है। उसके शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा।

कांग्रेसी चाहते हैं राहुल चक्रव्यूह तोड़ दें। राहुल तोड़ सकते हैं। मगर राहुल उसे तोड़कर बाहर निकलना भी चाहते हैं। कांग्रेसियों को इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं है कि राहुल चक्रव्यूह तोड़कर बाहर आएं। उन्हें केवल राहुल से चक्रव्यूह तुड़वाना है। क्योंकि उनमें से न तो कोई तोड़ सकता है न तोड़ना चाहता है।राहुल को आप चाहे जितना अव्यवहारिक या आदर्शवादी कहें मगर इतना वह जानते हैं कि आज के समय केवल चक्रव्यूह तोड़ना ही महत्वपूर्ण नहीं है। तोड़कर बाहर निकलना भी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के बाद राहुल ने यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि जो कौरवों ने अभिमन्यु के साथ किया था वही अब मोदी सरकार कर रही है। महाभारत में कौरव कामयाब हुए थे। अभिमन्यु को घेर कर मार लिया था। लेकिन अब अभिमन्यु मरेगा नहीं। चक्रव्यूह बेधेगा और बाहर भी आएगा।राहुल ने यह बिल्कुल नया कान्सेप्ट दिया है। इससे पहले चक्रव्यूह बेधने की ही बात होती थी। मगर राहुल ने आज के समय के अनुसार उससे सुरक्षित बाहर निकलने की जो बात कही है वह एक आशावादी राजनीति का मैसेज है। और 12 साल से निराश एवं हताश जनता को इससे एक उम्मीद बंधती है। राहुल जनता में ही हौसला पैदा करके और खास तौर से छात्र एवं युवाओं को जगाकर ही इस चक्रव्यूह को तोड़ने और इससे बाहर निकलने की बात करते हैं।

राहुल के छात्रों के गूंज कार्यक्रम की अब चौतरफा चर्चा है। छात्रों से कोई पंगा नहीं ले सकता। इसलिए न चाहते हुए भी गोदी मीडिया को छात्रों की आवाज दिखाना पड़ रही है। गोदी मीडिया देख चुका है कि छात्रों की बात न सुनने का खामियाजा मोदी सरकार को किस तरह उठाना पड़ा है। उसके शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। और प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह संसद के दोनों सदनों में से किसी एक में भी नहीं आ पाए।लेकिन कांग्रेस के ही कुछ नेताओं की गलतियों के कारण कई बार बेवजह बाजी पलट जाती है। जिस दिन राहुल का अब तक का सबसे सफल गूंज कार्यक्रम इन्दौर में हो रहा था उसी दिन दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के चुनावों का नतीजा निकल रहा था।दिल्ली में इस बार जो माहौल था भाजपा उससे बहुत डरी हुई थी। हर चीज उसके खिलाफ जा रही थी। और ऐसे में दिल्ली यूनिवर्सिटी के चुनाव से एक हफ्ते पहले सत्य निकेतन की बिल्डिंग गिर जाने जिसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के ही पढ़ने वाले कई छात्र दबकर मर जाने की घटना ने उसे पूरी तरह निराश कर दिया था।लेकिन अगर बल्लेबाज ही हिट विकेट हो जाएं तो कितने ही निराश बालर और टीम हो जीत जाती है। दिल्ली का हर चुनाव पूरे देश को संदेश देता है। चाहे लोकसभा हो या दिल्ली विश्वविद्यालय का चुनाव। यहां केवल छात्र संघ का चुनाव ही नहीं दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ डूटा भी राजनीति की नब्ज बताता है। अभी छात्र संघ डूसू चुनाव के चार दिन पहले ही दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे प्रभावी शिक्षक नेता माने जाने वाले और तीन बार डूटा के अध्यक्ष रहने वाले आदित्य नारायण मिश्रा ने बड़ी तादाद में युनिवर्सिटी के शिक्षकों के साथ कांग्रेस मुख्यालय आकर कांग्रेस ज्वाइन की। इसका डूसू चुनाव पर स्वाभाविक असर पड़ना था।उससे पहले दिल्ली के जंतर मंतर पर ही छात्रों का बड़ा धरना और फिर संसद मार्च में लाठी, आंसू गैस, पैलेट गन चलने से पूरा माहौल भाजपा विरोधी बना हुआ था। छात्र राजनीति के लिए इससे अनुकूल माहौल कुछ नहीं हो सकता। मगर एक नेता द्वारा अपने बेटे को टिकट दिलाकर एनएसयूआई का पूरा पैनल लंगड़ा कर दिया गया। जिस उपाध्यक्ष सीट पर उस नेता के बेटे वीर चतरथ को लड़ाया वहां एनएसयूआई को नोटा से भी कम वोट मिले। इस पोस्ट पर नोटा को 4359 और एनएसयूआई को 4313 वोट मिले।

शर्मनाक! और यह नेता कौन है जिसने अपने बेटे को टिकट दिलाया? एक भारी अहंकारी वह व्यक्ति जिसे कांग्रेस के नए मुख्यालय इन्दिरा भवन का पूरा चार्ज दे रखा है। जहां वह किसी भी नेता, कांग्रेस के 24 अकबर रोड वाले मुख्यालय से गए किसी अधिकारी को घुसने से रोक सकता है। अपमान कर सकता है।यह हमने लिखा नेता और अधिकारी के लिए। कार्यकर्ता और कर्मचारी की तो बात ही नहीं है। उन्होंने तो इन्दिरा भवन जाना ही छोड़ दिया। एनएसयूआई के नेता, सदस्य और दिल्ली यूनिवर्सिटी के दूसरे तमाम छात्र कांग्रेस के 24 अकबर रोड वाले मुख्यालय आते रहते हैं। पॉलिटिकल पार्टी का दफ्तर जैसा होना चाहिए खुला वह वैसा ही है। दिल्ली के छात्र क्या देश भर से लोग वहां आते हैं। बैठते हैं। कैंटिन में सही दाम में चाय पीते हैं। ऐसे ही सही कीमत में खाना खा लेते हैं। आगे बताते हैं यहां के उचित दाम आपको।पहले जरा इन्दिरा भवन की बात। लेकिन उससे भी पहले पार्लियामेंट की नई बिल्डिंग की बात। पार्लियामेंट की नई बिल्डिंग के बनने के औचित्य पर हम शुरू से सवाल उठाते रहे हैं। उसकी कमियों पर बहुत लिखा। अखबार में भी और ट्वीटर पर भी। लेकिन अभी पिछले कुछ समय से हमने लिखना बंद कर दिया।कांग्रेस के लोगों को मोदी की बनाई नई संसद की कमियां पढ़ने में बहुत मजा आता था। एक दिन एक बड़े नेता ने पूछा कि अब आप नई बिल्डिंग पर क्यों नहीं लिखते हैं? हमने कहा क्योंकि हमने उससे खराब स्थिति एक और नई बिल्डिंग की देख ली। उन्होंने कहा कौन सी? हमने कहा आप का नया मुख्यालय। इन्दिरा भवन। चुप हो गए।

जैसे सत्ता पक्ष का भी कोई सांसद, या मंत्री भी नए संसद भवन की तारीफ नहीं कर सकता है। वैसे ही कांग्रेस का कोई नेता इन्दिरा भवन की व्यवस्थाओं का बचाव नहीं कर पाता है।अब हमने ऊपर कैंटिन और रेट की बात कही थी वह बताते हैं। इन्दिरा भवन की कैंटिन के रेट इतने ऊंचे रखे हैं कि वहां काम करने वाले कर्मचारियों को भी चाय पीना हो तो बाहर जाना पड़ता है। यह बताने की तो शायद जरूरत नहीं है कि कार्यस्थलों पर कैंटिन इसलिए खोली जाती है और सब्सिडाइज रेट पर चाय खाना स्नेक्स रखे जाते हैं कि वर्कर को कहीं बाहर खाने चाय पीने नहीं जाना पड़े।अब रेट देख लीजिए। चाय 25 रुपए की। जीएसटी मिलाकर 28 की पड़ती है। अब सोचिए एक कर्मचारी या कभी गलती से चला गया कोई कार्यकर्ता या छात्र कैसे पी सकता है। अब जरा तुलनात्मक रूप से और बता दें तो आपके और समझ में आ जाएगा। यही चाय कांग्रेस के 24 अकबर रोड मुख्यालय में 10 रुपए की मिलती है। और जिक्र संसद की नई बिल्डिंग का भी किया है तो वहां का भी बता दें वहां 5 रुपए की है।

बहुत सारे आइटम हैं। ज्यादा नहीं बता रहे। चाय के बाद खाना ही इम्पार्टेन्ट है तो 24 अकबर रोड में 45 रुपए में मिनी लंच और संसद में 50 रुपए में। यहां फाइव स्टार होटलों की तरह हाफ प्लेट या मिनी का काम ही नहीं। थाली है 200 रुपए की। और जीएसटी अलग। एक आइटम और बता दें। 24 अकबर रोड में सागर रत्ना का कैंटिन है जिसका डोसा दुनिया भर में मशहूर है। केवल 45 रुपए का। पार्लियामेंट में अशोका की कैंटिन है वहां 30रुपए का। और इन्दिरा भवन में पता नहीं किसे ठेका दे रखा है 170 प्लस जीएसटी।

और लास्ट बात यह और बता दें कि पत्रकार कैंटिन में नहीं जा सकता। अगर कोई गलती से ले गया तो वहां से उठाने के लिए उसका एडमिनिस्ट्रेटर आ जाता है। एडमिनिस्ट्रेटर मतलब वही जिसने अपने बेटे को लड़वा कर पूरे एनएसयूआई पैनल को हरवाया। राहुल के इन्दौर गूंज कार्यक्रम का मजा खराब किया। लब्बोलुवाब यह है कि राहुल अकेले पूरी लड़ाई लड़ रहे हैं। कांग्रेसी उनकी टांग खींचने में लगे हैं। ये कांग्रेसी वह हैं जो दलाली और चमचागिरी में सिद्धहस्त हैं। इन्हें सिर्फ अपने से अपने परिवार से अपने स्वार्थों से मतलब है। राहुल से और कांग्रेस से इन्हें सिर्फ फायदा उठाना है। अब राहुल इनसे कैसे मुक्त हो पाते हैं यह एक बड़ा सवाल है। क्योंकि यह लोग उनके पास कोई इन्फारमेशन ही नहीं पहुंचने देते। जिस इन्दिरा भवन के लिए कांग्रेस के लाखों कार्यकर्ताओं, सिम्पेथाइजरों ने जो भी जिससे बना सहयोग किया है वहां उनके साथ क्या होता है यह भी राहुल तक शायद ही पहुंच पाता हो।

संपादकीय

असुविधाओं की रेल

वैसे तो दावे किए जाते रहे हैं कि भारतीय रेलवे को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है, लेकिन हकीकत निराश करने वाली है। विडंबना यह है कि तमाम मुश्किलों में सफर करने वाला यात्री शिकायत दर्ज कराने के बजाय अपने गंतव्य स्थान पर पहले पहुंचना चाहता है। जिसके चलते सभी खामियों के साथ भारतीय रेल ढर्रे पर ही चल रही है। पिछले महीने संसद में पेश कैग की रिपोर्ट में सैकड़ों रेलवे स्टेशनों में पेयजल व अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी का उल्लेख किया गया था। यहां तक कि पेयजल में स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले जीवाणु पाये जाने की बात कही गई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि 89 फीसदी स्टेशनों में बैठने की पर्याप्त जगह, पंखे, मार्गदर्शन करने वाले चिन्हों तथा शौचालय आदि बुनियादी सुविधाओं की कमी थी। कैग की रिपोर्ट की पुष्टि करती हुई लोक लेखा समिति ने भी अपनी

पड़ताल में कई स्टेशनों में पेयजल, पंखे, बैठने के सुविधाजनक स्थान आदि पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध न होने की बात कही है। समिति ने रेलवे अधिकारियों से जवाब मांगा है। यूं तो देश के कई रेलवे स्टेशनों को सजाने-संवारने का काम जरूर हुआ है, लेकिन कई स्थानों पर निर्धारित समय पूरा होने के बावजूद निर्माण कार्य अधूरा है। जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। क्या देश में कोई ऐसा नियामक तंत्र नहीं जो निर्माण कार्य करवाने वाली कंपनी के विरुद्ध कार्रवाई कर सके? आधे-अधूरे निर्माण कार्य की गफलत में दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।

यूं तो भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा नेटवर्क है। लेकिन सुविधाओं के नाम पर हम कहां टिकते हैं? पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के अभाव में यात्री ट्रेन के रुकने पर उतरकर स्टेशन पर भटकते नजर आते हैं। दुकानदार भी बोतलबंद पानी बेचने के लिये पेयजल व्यवस्था को बाधित करने का प्रयास करते देखे जाते हैं। किसी ट्रेन के जनरल डिब्बे में भेड़-बकरियों की तरह भरे यात्री कैसे सफर पूरा करते होंगे, अनुमान लगाना कठिन नहीं है। ट्रेन के भीतर शौचालयों की बुरी स्थिति देखकर यात्री मन मारकर उनका प्रयोग करते हैं। निश्चय ही रेलवे की निगरानी व्यवस्था खासी लचर है। ऐसा लगता है कि किसी की जवाबदेही ही तय नहीं हुई। वहीं बड़ी संख्या में यात्री भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं करते। यहां-वहां बिखरा कूड़ा इसकी गवाही देता है। हमारे समाज में उस स्वच्छता चेतना का विकास नहीं हो पाया है, जो आजादी के आठवें दशक में हो जानी चाहिए थी। आखिर हम कब एक जिम्मेदार नागरिक की तरह रेलवे स्टेशनों व रेल के डिब्बों के भीतर साफ-सफाई रखना अपना कर्तव्य मानेंगे। लेकिन इसके बावजूद रेलवे को एक ऐसा जवाबदेह तंत्र विकसित करना होगा जो यात्रियों को बुनियादी सुविधा उपलब्ध करा सके। दरअसल, रेल मंत्रालय हासिल करने और अपने चुनावी क्षेत्र के लोगों को रेलवे में भर्ती करने को लेकर दशकों तक जो राजनीति चलती रही है, उसने भी किसी हद तक रेलवे व्यवस्था की गुणवत्ता को प्रभावित किया है। बहरहाल, अब यह तसवीर बदलनी चाहिए।

हर देश के लिए जरूरी है 'शांति मंत्रालय'

बीसवीं सदी के दो विश्वयुद्धों और हिरोशिमा-नागासाकी की त्रासदी ने मानवता को विश्वास दिलाया था कि शायद अब %युद्ध% इतिहास की बात बन जाएंगे, किंतु इक्कीसवीं सदी में ऐसा नहीं हुआ। रूस-यूक्रेन युद्ध तीसरे वर्ष में है। गाज़ा में मानवीय संकट गहराता जा रहा है। पश्चिम एशिया, अफ्रीका के अनेक गृहयुद्ध और एशिया में बढ़ते सामरिक तनाव बताते हैं कि आधुनिक विश्व अभी भी हथियारों के भरोसे सुरक्षा खोज रहा है।हर वर्ष 21 सितंबर को दुनिया %अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस% मनाती है। %संयुक्त राष्ट्र संघ% (यूएन) ने 1981 में इसकी शुरुआत इस उद्देश्य से की थी कि विश्व समुदाय युद्ध और हिंसा से ऊपर उठकर शांति, संवाद और सह-अस्तित्व की संस्कृति को मजबूत करे। वर्ष 2001 में %यूएन% ने सर्वसम्मति से इस दिन को %वैश्विक संघर्ष-विराम% और %अहिंसा दिवस% के रूप में भी मान्यता दी, लेकिन दुर्भाग्या से जिस दुनिया में शांति के नाम पर एक दिन समर्पित है, उसी दुनिया में वर्ष के शेष दिनों में युद्धों की तैयारी अधिक व्यवस्थित ढंग से होती दिखती है।बीसवीं सदी के दो विश्वयुद्धों और हिरोशिमा-नागासाकी की त्रासदी ने मानवता को विश्वास दिलाया था कि शायद अब %युद्ध% इतिहास की बात बन जाएंगे, किंतु इक्कीसवीं सदी में ऐसा नहीं हुआ। रूस-यूक्रेन युद्ध तीसरे वर्ष में है। गाज़ा में मानवीय संकट गहराता जा रहा है। पश्चिम एशिया, अफ्रीका के अनेक गृहयुद्ध और एशिया में बढ़ते सामरिक तनाव बताते हैं कि आधुनिक विश्व अभी भी हथियारों के भरोसे सुरक्षा खोज रहा है। परमाणु हथियारों का जखीरा आज भी हजारों की संख्या में मौजूद है और वैश्विक सैन्य बजट लगातार बढ़ रहे हैं। तो क्या हथियारों की बढ़ती संख्या दुनिया को अधिक सुरक्षित बना रही है?गांधीवादी चिंतक और लेखक सतीश कुमार ने इसी प्रश्न को नए दृष्टिकोण से उठाया है। अपने एक लेख में उन्होंने कहा है कि जिस प्रकार लगभग हर देश में रक्षा मंत्रालय हैं, उसी प्रकार प्रत्येक देश में %शांति मंत्रालय% भी होना चाहिए। ऐसा मंत्रालय समाज में संवाद, मध्यस्थता, शांति शिक्षा, अहिंसक प्रतिरोध, सामुदायिक मेल-मिलाप और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने का काम कर सकता है। यदि सरकारें युद्ध की तैयारी के लिए विशाल संस्थागत ढांचे विकसित कर सकती हैं, तो शांति की तैयारी के लिए भी संस्थागत व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।पहली दृष्टि में यह विचार आदर्शवादी लग सकता है, लेकिन वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में इसकी प्रासंगिकता को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। दुनिया के लगभग सभी देशों के पास रक्षा मंत्रालय, सेनाएं, युद्ध रणनीतियां और हथियारों के आधुनिकीकरण की योजनाएं हैं, किंतु शायद

ही कोई ऐसा देश हो जहां संवाद, मेल-मिलाप, संघर्ष-निवारण और शांति शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अलग मंत्रालय हो। %स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट% के अनुसार वर्ष 2024 में दुनिया का सैन्य व्यय लगभग 2.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था, जो अब तक का सर्वाधिक है। यह लगातार दसवां वर्ष था, जब वैश्विक रक्षा व्यय में वृद्धि दर्ज की गई। अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत सबसे अधिक रक्षा व्यय करने वाले देशों में शामिल हैं। इसके विपरीत यूएन की अनेक मानवीय और शांति-स्थापना एजेंसियां संसाधनों की कमी से जूझती रहती हैं। यह विरोधाभास बताता है कि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं किस दिशा में झुकी हुई हैं।युद्ध की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से अधिक राष्ट्र के आम नागरिक चुकाते हैं। %संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) के अनुसार दुनिया में 12 करोड़ से अधिक लोग युद्ध, हिंसा और उत्पीड़न के कारण अपने घर छोड़ने को विवश हैं। गाज़ा, यूक्रेन और सूडान जैसे क्षेत्रों में स्कूल, अस्पताल और नागरिक बस्तियां नष्ट हुई हैं। लाखों बच्चे शिक्षा से वंचित हुए हैं और असंख्य परिवार विस्थापन का जीवन जी रहे हैं। आधुनिक युद्ध केवल सीमाओं को नहीं, बल्कि समाजों के विश्वास, मानवीय गरिमा और भविष्य को भी समाप्त करते हैं। युद्ध का एक और गंभीर पक्ष पर्यावरणीय विनाश है। आधुनिक सेनाएं भारी मात्रा में जीवाश्म ईंधन का उपयोग करती हैं। बमबारी से जंगल, कृषि भूमि और जलस्रोत नष्ट होते हैं। औद्योगिक प्रतिष्ठानों के ध्वस्त होने से विषैले रसायन वातावरण में फैलते हैं और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ता है। सतीश कुमार का प्रस्ताव है कि रक्षा बजट का एक हिस्सा शांति निर्माण के लिए निर्धारित किया जाना चाहिए। शांति मंत्रालय का कार्य केवल युद्ध रोकना नहीं, बल्कि शांति शिक्षा, संवाद, मध्यस्थता, सामुदायिक मेल-मिलाप, अहिंसक प्रतिरोध, संघर्ष-निवारण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना होगा।

दरअसल, शांति को संस्थागत रूप देने का विचार नया नहीं है। महात्मा गांधी का मानना था कि हिंसा अंततः प्रतिहिंसा को जन्म देती है। स्वतंत्रता आंदोलन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां करोड़ों लोगों ने बिना हथियार एक साम्राज्य को चुनौती दी। गांधी का स्वराज केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं था; वह ऐसे समाज की परिकल्पना थी जहां संघर्षों का समाधान संवाद और नैतिक शक्ति से हो।

गांधी की इसी परंपरा को विनोबा भावे, दादा धर्माधिकारी, जयप्रकाश नारायण और नारायण देसाई जैसे अनेक विचारकों ने आगे बढ़ाया और समाज में संवाद, रचनात्मक कार्यक्रमों और अहिंसक संघर्षों को लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति माना। इन सभी का विश्वास था कि स्थायी सुरक्षा हथियारों से नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण समाज, लोकतांत्रिक भागीदारी और अहिंसक संस्कृति से आती है। इस दृष्टि से शांति मंत्रालय का प्रस्ताव गांधीवादी चिंतन का समकालीन संस्थागत विस्तार प्रतीत होता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन और दार्शनिक बर्ट्रेंड रसेल ने भी मानवता को यही चेतावनी दी थी। 1955 के प्रसिद्ध रसेल-आइंस्टीन घोषणापत्र में उन्होंने विश्व नेताओं से आग्रह किया था कि वे युद्ध की बजाय मानव अस्तित्व को प्राथमिकता दें। घोषणापत्र का सबसे प्रसिद्ध वाक्य आज भी प्रासंगिक है- अपनी मनुष्यता को याद रखिए और बाकी सब भूल जाइए। यही विचार आगे चलकर परमाणु निरस्त्रीकरण और वैश्विक शांति आंदोलनों की प्रेरणा बना।

यूएन की स्थापना इसी विश्वास के साथ हुई थी कि आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाया जाए। यूएन चार्टर की प्रस्तावना में इसका स्पष्ट उल्लेख है। शांति स्थापना अभियानों, संघर्ष-निवारण, मध्यस्थता और अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस जैसी पहलों के माध्यम से यूएन लगातार प्रयास करता रहा है। हालांकि महाशक्तियों के राजनीतिक हित औरवीटो व्यवस्था अक्सर इन प्रयासों को सीमित कर देते हैं।भारत के लिए यह विमर्श विशेष महत्व का है। अहिंसा परमो धर्मः, वसुधैव कुटुम्बकम् और गांधी का सत्याग्रह केवल आदर्श नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति के वैकल्पिक मूल्य भी हैं। भारत अपनी सुरक्षा जरूरतों से समझौता किए बिना भी शांति शिक्षा, संघर्ष-समाधान, मानवीय कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के क्षेत्रों में नई पहल कर सकता है। यदि भारत एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का संदेश विश्व समुदाय को दे सकता है, तो शांति को सार्वजनिक नीति का विषय बनाने की बहस का नेतृत्व भी कर सकता है।

एक छोटा बच्चा दूसरे बच्चे से – अगर दिन को सूर्य न निकला तो क्या होगा?
दूसरे बच्चे ने जवाब दिया – बिजली का बिल बढ़ जाएगा।

•••••••

टीचर (मिन्नी से) – आज स्कूल में देर से आने का तुमने क्या बहाना ढूंढा है?
मिन्नी – सर आज मैं इतनी तेज दौड़ कर आई कि बहाना सोचने का मौका ही नही मिला।

•••••••

मैनेजर ने आने वाले से पूछा – क्या तुम्हें पता नहीं कि आज्ञा के बिना अन्दर आना मना है।
आने वाला – जनाब मैं आज्ञा लेने के लिए ही अन्दर आया हूं।

•••••••

पत्नी – मैंने आज सपनो में देखा है कि तुम मेरे लिए हीरों का हार लाए हो, इस सपने का क्या मतलब है?
पति – आज शाम को बताऊंगा। शाम को पति ने एक पैकेट पत्नी को लाकर दिया। पत्नी ने खुशी-खुशी पैकेट खोला तो उस मे एक किताब निकली । किताब का नाम था, सपनों का मतलब।

•••••••

नया सिपाही (इंस्पैक्टर से) – सर ये बिलकुल गलत है कि मैं उस चोर से डर गया था।
इंस्पैक्टर – तो तुम उस गाड़ी के पिछे क्यों छिपे थे?
नया सिपाही – जी वह तो मैं कुत्ता देख कर छिपा था।

•••••••

अध्यापक – बाबर भारत में कब आया?
बंटी – पता नहीं सर।
अध्यापक – बोर्ड पर नहीं देख सकते, नाम के साथ ही लिखा है।
बंटी – मैंने सोचा, शायद वह उसका फोन नम्बर है।

•••••••

एक बहानेबाज कर्मचारी का दादा उस के दफ्तर में आ कर उस के बॉस से बोला– इस दफ्तर में सुनील नाम का व्यक्ति कार्य करता है, मुझे उस से मिलना है, वह मेरा पोता है।
बॉस ने मुस्करा कर कहा – मुझे अफसोस है, आप देर से आए है, वह आप की अर्थी को कंधा देने के लिए छुट्‌टी लेकर जा चुका है।

•••••••

सेठानी (नौकरानी से) – क्यों महारानी जी आज आने में इतनी देर क्यों लगा दी?
नौकरानी – सेठानी जी मैं सीढ़ियों से गिर गई थी।
सेठानी – तो क्या उठने में इतनी देर लगती है।

•••••••

कंबो शहर की यात्रा

एक दिन कौमी कौआ काफी दिनों बाद अपने गांव आया। गांव में सभी पक्षियों ने उसका खूब स्वागत किया। कौमी में एक आदत थी कि जब भी वह गांव जाता तो अपने सभी दोस्तों के लिए कुछ न कुछ खाने की चीज साथ लेकर जरूर जाता। इस बार वह पिज्जा लेकर गया, जिसका स्वाद चखकर सभी पक्षियों को आनंद आ गया। पिज्जा खाकर कोबू कबूतर बोला– 'भई कौमी, यह तो तू कमाल की चीज लेकर आया है। इसमें जो स्वाद है, ऐसा स्वाद हमने कहीं नहीं चखा। इससे पहले तू पास्ता लेकर आया था। वह भी गजब की चीज थी! वैसे बड़ा मजा आता है शहर में रहने का। वहां अच्छी-अच्छी चीजें मिलती हैं खाने की। अब तो तेरे साथ मैं भी कंबो शहर चलूंगा।' कोबू कबूतर की बात सुनकर कौमी ने हां कहते हुए अपना सिर हिलाया।

कौमी जब भी कंबो शहर से गांव आता तो मैकू मोर उससे कहता कि इस बार तो अपने साथ ले चल। पर कौमी हर बार मैकू को कोई बहाना बनाकर टाल देता था। कौमी मन में सोचता–इतना भारी-भरकम शरीर है। कंबो शहर में इसका गुजारा करना मुश्किल हो जाएगा। एक तो वहां भीड़भाड़ बहुत है और पेड़ों की कमी है। जो भी पेड़ बचे हैं वो भी एक-एक कर कटते जा रहे हैं। मेरा ही वहां रहना मुश्किल हो रहा है। मैं जिस पेड़ पर रहता हूं, वह भी किसी दिन कट जाएगा, क्योंकि वहां पर कोई बड़ी बिल्डिंग बनाई जाएगी। मेरा क्या, मैं तो किसी की छत पर फुर्र से उड़कर चला जाऊंगा। किसी रास्ते से भी भोजन उठा लूंगा। पर मैकू मोर ये सब नहीं कर पाएगा। लेकिन कैसे समझाऊं मैकू को।

तभी फुदकती हुई गौरी गौरैया आ धमकी। बोली– 'पिज्जा बहुत अच्छा था। अगली बार भी लेकर आना।'
'जरूर लाऊंगा। इससे भी अच्छी चीज लेकर आऊंगा।' कौमी ने कहा।
गौरी गौरैया भी बहुत दिनों से सोच रही थी कि कौमी के साथ कंबो शहर घूमकर आए। हर बार कोई न कोई काम उसे लगा ही रहता था। इस बार वह कौमी के साथ पक्का जाएगी, यह सोचकर कौमी से बाली– 'कौमी भइया, आप तो खूब घूमते रहते हैं और हम यहां से कहीं घूमने ही नहीं जा पाते। इस बार हमें भी कंबो घुमाने अपने साथ ले चलो न।' कौमी बोला– 'जरूर ले चलूंगा। तुम्हें तो देखकर वहां लोग बहुत खुश होंगे।'
उधर तारू तोता भी कौमी के साथ चलने के लिए तैयार हो गया। पिछली बार जब कौमी आया था तो उसने वादा किया था कि अगली बार वह तारू को जरूर लेकर जाएगा। कौमी ने कोबू कबूतर, गौरी गौरैया और तारू तोता को अपने साथ ले चलने के लिए तो कह दिया, लेकिन सोच में पड़ गया कि वहां जाकर ये लोग परेशान न हो जाएं। अगले दिन चारों दोस्त तैयार होकर कंबो शहर चल दिए। दिन भर उड़ान भरी और शाम को शहर पहुंच गए। गौरी शरीर में बहुत छोटी थी, इसलिए ज्यादा थक गई। उसे जल्दी से नींद आ गई। अगले दिन सुबह कौमी के साथ वे तीनों दोस्त घूमने के लिए निकले। पूरे शहर का चक्कर लगाया। ऊंची-ऊंची बिल्डिंग, हर जगह भीड़-भाड़ और शोर-शराबा। इस तरह का माहौल उन्होंने कहीं नहीं देखा था। कौमी जहां रहता था, वहीं थोड़ी-बहुत हरियाली थी। उसके पास में रिहायशी इलाका था और उससे आगे काफी दूर तक बहुत सारी फैक्टरी थीं। दूसरे दिन कौमी को अपने काम पर जाना था। उसने दोस्तों से कहा कि आज तुम लोग खुद घूमो। तीनों दोस्त पास के रिहायशी इलाके में घूमने चल दिए। गौरी गौरैया एक मकान की छत पर चली गई। उस छत पर कई छोटे-छोटे बच्चे खेल रहे थे। उन्होंने छोटी गौरैया को देखा तो बहुत खुश हुए। मौनू ने पहली बार इतनी छोटी गौरैया को देखा था। उसने तुरंत अपनी मम्मी को आवाज लगाई– 'मॉम, देखो हमारी छत पर कितनी छोटी चिड़िया आई है।' मॉम तुरंत दौड़कर आई और बोलीं– यह चिड़िया तो यहां दिखाई ही नहीं देती है, कई सालों पहले देखी थी। इसके लिए एक बर्तन में पानी लाओ और कुछ खाने को दो। कितनी सुन्दर चिड़िया है ये! मौनू तुरंत एक बर्तन में पानी भरकर ले आया। साथ में कुछ ब्रेड, बिस्किट के टुकड़े लाया और उसके सामने रख दिए और मम्मी के साथ दूर जाकर खड़ा हो गया। गौरी ने फुदक-फुदक कर बिस्किट और ब्रेड खाए और पानी पीकर उड़ गई।

उधर कोबू कबूतर घूमने निकला तो उसे एक स्थान पर बहुत सारे कबूतर दिखाई दिए, जो वहां पड़े अनाज को खा रहे थे। कोबू भी उनमें जा मिला और खूब छक कर अनाज खाया। तारू तोता भी वहां इधर-उधर घूमा। घरों की छतों पर खूब चक्कर लगाए। वहां कुछ खाने का भी सामान मिला, लेकिन फल खाने को नहीं मिले, क्योंकि वहां फलों के पेड़ ही नहीं थे। उसे प्यास लगी, तो पास में ही नाली में गंदा पानी बह रहा था। प्यास सहन न होने की वजह से उसे वही पानी पीना पड़ा। पानी पीकर उसे चक्कर आने लगे। वह पास की ही छत पर उड़ते हुए गिर पड़ा। छत पर एक बच्चा खेल रहा था। उसने अपनी मॉम को बुलाया तो उन्होंने उसे पकड़कर थोड़ी देर छाया में रखा, उसके बाद उसे पानी पिलाया।
थोड़ी देर में होश आने के बाद वह उड़ गया और कौमी के घर आ गया। कौमी को जब यह बात पता लगी तो बहुत दुखी हुआ। उसने तीनों दोस्तों से कहा कि कोई भी नाली का पानी न पिए। यह बहुत खतरनाक है। शहर में कहीं साफ पानी दिखाई ही नहीं देता था सिवाय नाली और नालों के। छतों पर पक्षियों के प्रति दयालु लोग ही पानी रख देते हैं।
तीन-चार दिन कौमी के दोस्त खूब घूमे-फिरे, लेकिन उन्हें वहां रहकर संतुष्टि नहीं हुई। वह कौमी से वापस अपने गांव जाने की बात कहने लगे। कौमी ने कहा, दोस्तों, कुछ दिन और रहो। लेकिन तीनों घूम-घूम कर और वहां के वातावरण को देखकर परेशान हो गए थे। गांव में तो वे बहुत दूर-दूर तक घूमने चले जाते थे। साफ पानी की वहां कमी नहीं थी, जगह-जगह नहर व तालाब आदि थे। फलों की कोई कमी नहीं थी। बाग-बगीचे बहुत थे, पर शहर में ये सब कहां? चारों तरफ मकान ही मकान थे और जगह-जगह गंदगी युक्त नालिओं में बहुता हुआ पानी। खैर, एक दिन कौमी के साथ तीनों दोस्त अपने गांव वापस आ गए। गांव आकर उन्होंने राहत की सांस ली। जब उन्होंने कौमी से पूछा कि दोस्त तुम वहां ऐसे वातावरण में कैसे रह लेते हो, तो कौमी कहता– क्या करें, हमें तो वहां की आदत हो गई है। जो जहां रहता है, उसे वहीं की आदत पड़ जाती है।

हवाई जहाज की कहानी

दोस्तों, आसमान में ऊंची उड़ान भरते हवाई जहाज को तुमने कई बार देखा ही होगा। पर क्या तुम यह जानते हो कि इसे कब बनाया था और किसने बनाया था? आखिर किसके मन में इसे बनाने का ख्याल आया था। इसे बनाने के पीछे क्या प्रेरणा थी? नहीं पता, कोई बात नहीं। आज हम तुम्हें बताते हैं हवाई जहाज का इतिहास।

इसे सबसे पहले बनाया था राइट ब्रदर्स ने। विल्वर और ओरविल में केवल चार साल का अंतर था। जिस समय उन्हें हवाई जहाज बनाने का ख्याल आया, उस समय विल्वर सिर्फ 11 साल का था और ओरविल की उम्र थी 7 साल। हुआ यूं कि एक दिन उनके पिता उन दोनों के लिए एक उड़ने वाला खिलौना लाए। यह खिलौना बांस, कॉर्क, कागज और रबर के छल्लों का बना था। इस खिलौने को उड़ता देख विल्वर और ओरविल के मन में भी आकाश में उड़ने का विचार आया। उन्होंने निश्च किया कि वे भी एक ऐसा खिलौना बनाएंगे।
इसके बाद वे दोनों एक के बाद एक कई मॉडल बनाने में जुट गए। अंतत: उन्होंने जो मॉडल बनाया, उसका आकार एक बड़ी पतंग सा था। इसमें ऊपर तख्ते लगे हुए थे और उन्हीं के सामने छोटे-छोटे दो पंखे भी लगे थे। जिन्हें तार से झुकाकर अपनी मर्जी से ऊपर या नीचे ले जाया जा सकता था। बाद में इसी यान में एक सीधी खड़ी पतवार भी लगाई गई। इसके बाद राइट भाइयों ने अपने विमान के लिए 12 हॉर्सपावर का एक पेट्रोल इंजन बनाया और इसे वायुयान की निचली लाइन के दाहिने और निचले पंख पर फिट किया और बाईओर पायलट के बैठने की सीट बनाई। राइट बंधुओं के प्रयोग काफी लंबे समय तक चले। तब तक वे काफी बड़े हो गए थे और अपने विमानों की तरह उनमें भी परिपक्वता आ गई थी। आखिर में 1903 में 17 दिसम्बर को उन्होंने अपने वायुयान का परीक्षण किया। पहली उड़ान ओरविल ने की। उसने अपना वायुयान 36 मीटर की ऊंचाई तक उड़ाया। इसी यान से दूसरी उड़ान विल्वर ने की। उसने हवा में लगभग 200 फुट की दूरी तय की। तीसरी उड़ान फिर ओरविल ने और चौथी और अन्तिम उड़ान फिर विल्वर ने की। उसने 850 फुट की दूरी लगभग 1 मिनट में तय की। यह इंजन वाले जहाज की पहली उड़ान थी। उसके बाद नए-नए किस्म के वायुयान बनने लगे, पर सबके उड़ने का सिद्धांत एक ही है।

सच्चे सुख की प्राप्ति

एक बार स्वामी रामदास जी भिक्षा मांगते हुए किसी घर के सामने खड़े हुए और उन्होंने आवाज लगाई रघुवीर समर्थ! घर की स्त्री बाहर आई। उसने उनकी झोली में भिक्षा डाली और कहा, महात्मा जी कोई उपदेश दीजिए।
स्वामी रामदास जी बोले, आज नहीं कल दूंगा।
दूसरे दिन स्वामी रामदास जी ने पुन: उस घर के सामने आवाज लगाई रघुवीर समर्थ ! उस घर की स्त्री ने उस दिन खीर बनाई थी। वह खीर का कटोरा लेकर बाहर आई। स्वामी जी ने अपना कमंडल आगे कर दिया। वह स्त्री जब खीर डालने लगी तो उसने देखा कि कमंडल में कूड़ा भरा है। उसके हाथ ठिठक गए वे बोली, महाराज कमंडल तो गंदा है।
स्वामी रामदास जी बोले, हां गंदा तो है किंतु खीर इसमें डाल दो।
स्त्री बोली, नहीं महाराज तब तो खीर खराब हो जाएगी। कमंडल दें मैं धो लाती हूं। स्वामी जी बोले, मतलब जब कमंडल साफ होगा तभी खीर डालोगी।
स्त्री बोली, जी महाराज
स्वामी जी बोले, मेरा भी यही उपदेश है। मन में जब तक चिंताओं का कूड़ा करकट और बुरे संस्कार रूपी गोबर भरा है। तब तक उपदेशामृत का कोई लाभ नहीं होगा। यदि उपदेशामृत प्राप्त करना है तो प्रथम अपने मन को शुद्ध करना चाहिए, कुसंस्कारों का त्याग करना चाहिए, तभी सच्चे सुख और आनंद की प्राप्ति होगी। मन साफ हो स्वच्छ हो तभी वह आनंद की अनुभूति कर सकता है।

सफलता के रास्ते

एक गरीब युवक अपनी गरीबी से परेशान होकर अपना जीवन समाप्त करने नदी पर गया। वहां एक साधू ने उसे ऐसा करने से रोक दिया। साधु ने युवक की परेशानी को सुन कर कहा कि, मेरे पास एक विद्या है। जिससे ऐसा जादुई घड़ा बन जाएगा तुम जो भी इस घड़े से मांगोगे वह पूरा हो जाएगा, पर जिस दिन यह घड़ा फूट गया, उसी समय जो कुछ भी इस घड़े ने तुम्हें दिया है वह सब गायब हो जाएगा। अगर तुम मेरी 2 साल तक सेवा करो तो ये घड़ा मैं तुम्हे दे सकता हू और अगर 5 साल तक तुम मेरी सेवा करो तो मैं ये घड़ा बनाने की विद्या तुम्हें सिखा दूंगा। बोलो तुम क्या चाहते हो ?
युवक ने कहा, महाराज मैं तो 2 साल ही आप की सेवा करना चाहूंगा। मुझे तो जल्द से जल्द बस ये घड़ा चाहिए मैं इसे बहुत संभाल कर रखूंगा कभी फूटने ही नहीं दूंगा। इस तरह 2 साल सेवा करने के बाद युवक ने वो जादुई घड़ा प्राप्त कर लिया और अपने घर पहुंच गया। उसने घड़े से अपनी हर इच्छा पूरी करवानी शुरू कर दी। महल बनवाया, नौकर चाकर मांगे आदि। सभी को अपनी शान शौकत दिखाने लगा, सभी को बुला-बुला कर दावतें देने लगा और बहुत ही विलासिता का जीवन जीने लगा।
उसने शराब भी पीनी शुरू कर दी और एक दिन नशे में घड़ा सिर पर रख नाचने लगा और ठोकर लगने से घड़ा गिर गया और फूट गया। घड़ा फूटते ही सब कुछ गायब हो गया। अब युवक सोचने लगा कि, काश! मैंने जल्दबाजी न की होती और घड़ा बनाने की विद्या सीख ली होती। तो आज मैं फिर से कंगाल न होता।

याद रखो... *ईश्वर हमें हमेशा दो रास्तों पर रखता है एक आसान, जल्दी वाला और दूसरा थोड़ा लम्बे समय वाला पर गहरे ज्ञान वाला। ये हम पर निर्भर करता है कि हम किस रास्ते पर चलें। कोई भी काम जल्दी में करना अच्छा नहीं होता बल्कि उसके विषय में गहरा ज्ञान आपको अनुभवी बनाता है।*

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : **MPHIN/26/A1603,** संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।

प्यार में मिले धोखे पर खुलकर बोलीं

कनिका मान

गुल्लू के साथ रिश्ते का नहीं है कोई चांस?

बिग बॉस 20 में भले ही कनिका मान और गुल्लू को एक साथ देखना ऑडियंस को पसंद आ रहा हो, लेकिन कनिका की नजर से देखें तो गुल्लू के लिए इस रिश्ते में कोई गुंजाइश नहीं है। कनिका मान ने एक ताजा प्रोमो वीडियो में बताया कि कैसे वह अब किसी पर भरोसा नहीं कर पाती हैं। कनिका ने अपने ट्रस्ट इश्यूज के बारे में बात करते हुए बताया कि उनकी पूरी कोशिश रहती है कि वह किसी से कोई उम्मीद नहीं रखें। एक्ट्रेस के दिल में उनके पिछले रिश्ते की टीस अभी तक है और यही वजह है कि वह अब आगे खुद की लाइफ को एक सिंगल लड़की के तौर पर ही इमैजिन करती हैं।

गुल्लू के साथ नहीं रिश्ते का चांस ?

बिग बॉस 20 का जो नया प्रोमो वीडियो जारी किया गया है, उसमें कनिका मान ईशा रिखी के साथ बात करती नजर आ रही हैं। प्रोमो में ईशा अपने दिल की बात कनिका मान के सामने रखती दिख रही हैं। प्रोमो वीडियो में उन्हें ईशा से कहते देखा जा सकता है कि, मुझे नहीं होता है किसी पर भरोसा। चाहे कोई कितना भी मेरे साथ प्यार से बैठ जाए। मुझे शक ही रहता है सामने वाले पर। मुझे लगता है कि पता नहीं भाई कब.... तो मैं पूरी कोशिश करती हूं अपनी तरफ से कि मैं सामने वाले से एक पैसे की भी उम्मीद नहीं रखूं।

अगर मेरा भरोसा टूटा तो मैं बहुत..

कनिका ने कहा कि लोग बहुत प्रैक्टिकल हैं। अगर मेरा भरोसा टूटा तो मैं बहुत टूट जाती हूं। कनिका जब ये सारी बातें बता रही थीं तो उनके चेहरे पर अतीत के जख्मों का दर्द साफ देखा जा सकता था। एक्ट्रेस ने कहा, मैंने बहुत वक्त लिया है आज ऐसा इंसान बनने में कि मुझे चीजों से फर्क ही नहीं पड़ता। कनिका ने बताया कि कैसे जब वह बहुत ज्यादा टूट गई थीं, तब उन्होंने खुद ही अपने आप को संभाला था और उस वक्त कोई भी उनके साथ नहीं खड़ा था। कनिका ने बताया कि वह ऐसे डार्क फेज में चली गई थीं कि शोज तक मना कर दिए थे।

कौन काम आया था उस वक्त पर ?

कनिका मान ने कहा, कौन काम आया था उस समय पर? जिसके ऊपर मैं पूरा भरोसा करके बैठी थी क्या वो भी आया था? शोज मना कर दिए, चीजें मना कर दीं। मेरा काम पर ही जाने का मन नहीं करता था। सुबह से लेकर रात तक सोफा पर, बेड पर बैठी रहती थी। मुझे लगता है कि जो हाइपर इंडिपेन्डेंस कहते हैं, मेरा वह हो चुका है अब। कनिका मान ने बताया कि मैं अब भावनात्मक रूप से अपने ऊपर निर्भर हूं, आर्थिक रूप से अपने ऊपर निर्भर हूं और सामाजिक रूप से भी देखूं तो मुझे अकेले रहना बहुत अच्छा लगता है।

मुझे बहुत डर लगता है इतनी सी..

कनिका ने कहा, मैंने अपने आप पर इतना काम किया। और इतना काम करने के बाद अब मैं इस फेज में हूं कि मुझे बहुत डर लगता है इतनी सी अटैचमेंट से भी। बता दें कि कनिका मान का नाम निशांत सिंह मलखानी के साथ जोड़ा गया था। कहा जाता है कि दोनों करीब 4 साल तक रिलेशनशिप में थे और फिर उन्हें अपने पार्टनर से ऐसा धोखा मिला कि वह इसे आज तक नहीं भुला सकी हैं। कनिका ने हालांकि कभी खुद निशांत का नाम नहीं लिया, लेकिन गॉसिप गलियारों में उनका नाम काफी वक्त तक निशांत के साथ जुड़ा रहा है।

एक गलती पड़ी भारी, सिर्फ 14 दिन में सलमान खान ने इस कंटेस्टेंट को दिखाया बाहर का रास्ता

टीवी की दुनिया के सबसे पॉपुलर रिएलिटी शो 'बिग बॉस 20' से रोहिद खान बाहर हो चुके हैं. रोहिद अफगान मूल के एक ऑस्ट्रियाई अभिनेता और मॉडल हैं. 6 सितंबर को जब सलमान खान का ये रिएलिटी शो शुरू हुआ, तो वो बतौर कंटेस्टेंट इसका हिस्सा बने. हालांकि, शो में उनकी की गई एक गलती उनपर भारी पड़ गई और सिर्फ 14 दिन में होस्ट सलमान खान ने उन्हें 'बिग बॉस' के घर से बाहर का रास्ता दिखा दिया.

दरअसल, 'बिग बॉस' के घर में कंटेस्टेंट के लिए ये नियम है कि कौन-कौन नॉमिनेट होगा या फिर वे किसे नॉमिनेट करेंगे, इसको लेकर बातचीत नहीं कर सकते हैं. ऐसा करने पर 'बिग बॉस' की तरफ से सजा दी जाती है. गेमर स्काउट, रैपर यंग डीएसए, एक्टर आसिफ खान और रोहिद खान नॉमिनेशन को लेकर डिस्कशन करते दिखे थे. 'बिग बॉस' का नियम तोड़ने को लेकर सजा के तौर पर इन चारों को नॉमिनेट किया गया था.

रोहिद खान को मिले सबसे कम वोट

चारों नॉमिनेटेड कंटेस्टेंट में रोहिद खान को ऑडियंस की तरफ से कम वोट मिले और 20 सितंबर को 'वीकेंड का वार' एपिसोड में सलमान खान ने उन्हें शो से बाहर का रास्ता दिखा दिया. स्काउट, यंग डीएसए और आसिफ खान बच गए.

रोहिद खान को क्यों नहीं मिला दूसरा मौका ?

'बिग बॉस 20' में मेकर्स इस बार 'तथास्तु' का कॉन्सेप्ट लेकर आए हैं. यानी हर कंटेस्टेंट को एक जीवनदान मिलेगा. यानी अगर उन्हें ऑडियंस की तरफ से सबसे कम वोट भी मिलते हैं, तो 'तथास्तु' थीम के अनुसार उस कंटेस्टेंट को शो में रहने का एक और मौका दिया जाएगा. हालांकि, रोहिद खान को जीवदान इसलिए नहीं मिला, क्योंकि उन्होंने 'बिग बॉस' का नियम तोड़ा था. नॉमिनेशन को लेकर डिस्कशन करना मना है, लेकिन उन्होंने ऐसा किया. इसी वजह से उन्हें शो से बाहर होना पड़ा.

'बिग बॉस 20' में दिखे सिद्धार्थ-तमन्ना

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया इस शो में बतौर गेस्ट शामिल हुए. 25 सितंबर को दोनों की फिल्म 'द वन' रिलीज होने वाली है. इसी फिल्म के प्रमोशनल के सिलसिले में दोनों 'बिग बॉस' में आए. दोनों स्टेज पर सलमान के साथ डांस करते दिखे. साथ ही दोनों ने कंटेस्टेंट के साथ बातचीत भी की.

बस, बहुत हुआ... लव गिल के साथ जुड़ा आसिफ खान का नाम, अब एक्टर की पत्नी का बयान आया

'पंचायत' फेम एक्टर आसिफ खान इन दिनों सलमान खान के टीवी रिएलिटी शो 'बिग बॉस 20' का हिस्सा हैं. शो के लाइव फीड से को-कंटेस्टेंट लव गिल के साथ उनके कुछ ऐसे वीडियोज क्लिप्स वायरल हुए, जिसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने दोनों को ट्रोल करना शुरू कर दिया. दोनों का नाम भी जोड़ा जाने लगा. हालांकि, अब आसिफ की पत्नी जेबा ने ट्रोलर्स को मुंहतोड़ जवाब दिया है.

दरअसल, एक क्लिप में आसिफ और लव गिल एक दूसरे से गले लगते दिखे. एक दूसरे क्लिप में लव, आसिफ के पैर पर बैठी दिखीं. इन क्लिप को देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने अलग मतलब निकालना शुरू कर दिया. लोग ये कहकर भी आसिफ को ट्रोल करने लगे कि वो शादीशुदा होकर कैसे किसी के क्लोज आ सकते हैं. अब आसिफ की पत्नी ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि उनका और आसिफ का रिश्ता बहुत मजबूत है. उन्होंने लोगों से कहा कि कुछ सेकेंड के क्लिप से उनकी शादी पर फैसला न सुनाया जाए.

आसिफ खान की पत्नी का बयान

जेबा ने अपने बयान में लिखा, आसिफ की पत्नी के तौर परज्मुझे लगता है कि एक बार ये बात अपने दिल से और पूरी स्पष्टता के साथ कहना जरूरी है. उन सभी लोगों के लिए जो उनके बारे में एक अलग ही कहानी गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं. मैं खास तौर पर शो के कुछ पलों को लेकर चल रही हालिया बातों और उनकी वजह से हमारी शादी पर उठाए जा रहे सवालों के बारे में बात कर रही हूं. कृपया 24म7 लाइव फीड देखें, न कि उन चंद क्लिप्स को जो सोशल मीडिया पर वायरल हैं.

सब अपना गेम खेल रहे हैं- जेबा

जेबा ने आगे कहा, आप देखेंगे कि वो कितनी बार मेरे बारे में, हमारी जिंदगी और हमारे रिश्ते के बारे में बात करते हैं. आप उस पति को कहीं बेहतर तरीके से देख पाएंगे जिसे मैं जानती हूं. न कि उसे जो कुछ सेकेंड के वीडियो में नजर आता है. हमारा रिश्ता पूरी तरह सुरक्षित है, हमारी आपसी समझ बहुत मजबूत है. किसी भी बात की सफाई देने की जरूरत नहीं है. अंदर मौजूद हर शख्स अपना गेम खेल रहा है.

बायोलॉजी बुक में

ऋतिक रोशन

का नाम क्यों शामिल करना चाहता था स्कूल बोर्ड? एक्टर ने किया था खुलासा

ऋतिक रोशन बॉलीवुड के उन सितारों में शामिल हैं, जिनकी पॉपुलैरिटी सिर्फ फिल्मों तक नहीं है. बल्कि लुक्स और फिटनेस की वजह से उन्हें 'ग्रीक गॉड' कहा जाता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक टाइम ऐसा भी था, जब एक स्कूल बोर्ड बच्चों को पढ़ाई में दिलचस्पी दिलाने के लिए बायोलॉजी की किताब में ऋतिक रोशन का नाम शामिल करना चाहता था. एक्टर ने खुद 'कॉफी विद करण' में इस मजेदार किस्से का खुलासा किया था.दरअसल 'कॉफी विद करण' में करण जौहर के साथ बातचीत के दौरान ऋतिक रोशन ने बताया था कि जब वो कोलकाता में थे, तब उन्हें एक स्कूल बोर्ड की तरफ से मैसेज मिला था. बोर्ड चाहता था कि बच्चों को बायोलॉजी पढ़ने में ज्यादा दिलचस्पी हो, इसलिए किताब में उनके नाम का इस्तेमाल किया जाए. ऋतिक ने बताया कि किताब में बच्चों से इस तरह का सवाल पूछा जा सकता था 'ऋतिक रोशन के शरीर की सबसे लंबी हड्डी कौन सी है?

ऋतिक ने शेयर किया दिलचस्प किस्सा

ऋतिक ने करण जौहर से बातचीत में कहा था, आपको पता है, जब मैं कलकत्ता (कोलकाता) में था और मुझे स्कूल बोर्ड से एक मैसेज मिला और वो बच्चों को पढ़ाने के लिए टेक्स्टबुक में मेरा नाम शामिल करना चाहते थे. उन्हें लगा कि इससे बायोलॉजी सीखने में मदद मिलेगी, जैसे 'ऋतिक रोशन के शरीर की सबसे लंबी हड्डी कौन सी है?' बस बच्चों के लिए इसे और मज़ेदार बनाने के लिए कुछ चीज़ें.

'कहो नाज् प्यार है' से रातों-रात बने स्टार

ऋतिक रोशन ने साल 2000 में फिल्म 'कहो नाज्प्यार है' से बॉलीवुड में बतौर लीड एक्टर धमाकेदार शुरुआत की थी. फिल्म में उनके साथ अमीषा पटेल नजर आई थीं. पहली ही फिल्म से ऋतिक की गिनती बॉलीवुड के बड़े स्टार्स में होने लगी. इसके बाद उन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया. 'कोईज मिल गया', 'कृष', 'लक्ष्य', 'जोधा अकबर', 'गुजारिश', 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' और 'वॉर' जैसी फिल्मों में उनके अलग-अलग किरदारों को दर्शकों ने खूब पसंद किया.

एशियाई खेल: इलावेनिल-पार्थ पदक से चूके, 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में चौथे स्थान पर रहे

एजेंसी

आइची-नगोया। भारत की इलावेनिल वलारिवन और पार्थ माने की जोड़ी एशियाई खेल 2026 में मंगलवार को 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में पदक जीतने से चूक गई। भारतीय जोड़ी फाइनल में 376.3 अंक के साथ चौथे स्थान पर रही और पदक की दौड़ से बाहर हो गई। इलावेनिल और पार्थ ने फाइनल की शुरुआत चौथे स्थान से की। पहले 10 शॉट के बाद भारतीय जोड़ी 103.6 अंक हासिल किए। चीन 107.2 अंक के साथ शीर्ष पर था, जबकि दक्षिण कोरिया 104.9 और जापान 103.9 अंक के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर थे। 20 शॉट के बाद भी भारतीय जोड़ी चौथे स्थान पर रही। उसके खाते में 207.9 अंक थे और तीसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण कोरिया से वह 1.3 अंक पीछे थी। चीन 211.9 अंक के साथ शीर्ष पर बना हुआ था। तीसरी सीरीज के बाद भी इलावेनिल और पार्थ 312.3 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे। चीन 315.7 अंक के साथ पहले, जापान 314.9 अंक के साथ दूसरे और दक्षिण कोरिया 314.3 अंक के साथ तीसरे स्थान पर था।

एशियाई खेल: चेतन भट्ट कांस्य पदक से चूके, चीनी ताइपे के खिलाड़ी से सेंशू के आधार पर हारे

आइची-नगोया। भारतीय कराटे खिलाड़ी चेतन भट्ट एशियाई खेल 2026 में पुरुषों के 84 किग्रा कुमिते वर्ग में कांस्य पदक जीतने से चूक गए। मंगलवार को कांस्य पदक मुकाबले में चेतन का सामना चीनी ताइपे के मेंग-यू चू से हुआ। मुकाबला 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ, लेकिन चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने सेंशू के आधार पर जीत दर्ज कर कांस्य पदक अपने नाम किया। इससे पहले चेतन को पुरुषों के 84 किग्रा कुमिते वर्ग के सेमीफाइनल में जॉर्डन के मोहम्मद अल-जाफरी के खिलाफ 0-8 से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय खिलाड़ी सेमीफाइनल मुकाबले में ज्यादा अंक हासिल नहीं कर सके, जिसके बाद उन्हें कांस्य पदक के लिए मुकाबला करना पड़ा। तैराकी में आर्यन नेहरा पुरुषों की 1500 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में चौथे स्थान पर रहे। हालांकि, फाइनल बी में अपेक्षाकृत धीमे तैराक शामिल थे और इसका पदक मुकाबले पर कोई असर नहीं पड़ा। सॉफ्ट टेनिस में भारत के जय मीना ने पुरुष एकल ग्रुप डी मुकाबले में पाकिस्तान के हुसैन अरैन को 4-0 से हराया। जय ने 4-2, 4-0, 4-2, 4-0 के स्कोर से मुकाबला अपने नाम किया।

एशियाई खेल: भारत ने दक्षिण कोरिया को 63-31 से रौंदा, पुरुष कबड्डी में लगातार दूसरी जीत

आइची-नगोया। मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने एशियाई खेल 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को ग्रुप ए के दूसरे मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 63-31 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारत ने पहले हाफ में ही मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया था और मध्यांतर तक 34-14 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली थी। भारत ने शुरुआती हाफ में दक्षिण कोरिया पर दो ऑलआउट लगाए। इनमें दूसरा ऑलआउट मध्यांतर से ठीक पहले आया, जिससे भारतीय टीम की स्थिति और मजबूत हो गई। दूसरे हाफ में भी भारत ने अपना दबदबा कायम रखा और 32 अंकों के अंतर से मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप ए में दो मैचों से दो जीत हासिल कर ली हैं। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत जापान के खिलाफ 49-24 की जीत से की थी। जापान ने दूसरे हाफ में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 20 से अधिक अंक हासिल किए थे, लेकिन भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में नियंत्रण बनाए रखा और आसान जीत दर्ज की।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला रग्बी सेवन्स टीम घोषित, शिखा यादव को कप्तानी

कोलकाता। रग्बी इंडिया ने जापान के आइची-नागोया में होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय सीनियर महिला रग्बी सेवन्स टीम की घोषणा कर दी है। 13 सदस्यीय भारतीय टीम महिला रग्बी सेवन्स प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी, जिसका आयोजन 01 से 03 अक्टूबर तक नागोया में होगा। भारत को पूल बी में मौजूदा चैंपियन चीन, हांगकांग चीन और मलेशिया के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 01 अक्टूबर को हांगकांग चीन के खिलाफ करेगी। उसी दिन शाम को भारत का सामना चीन से होगा, जबकि 02 अक्टूबर को टीम मलेशिया के खिलाफ पूल चरण का अपना अंतिम मुकाबला खेलेगी। नॉकआउट और वर्गीकरण मुकाबले 03 अक्टूबर को खेले जाएंगे। कप्तान शिखा यादव के अलावा टीम में उपकप्तान डुमुनी मारंडी, अमनदीप कौर, आरती कुमारी, भूमिका शुक्ला, वैष्णवी पाटिल, गुरिया कुमारी, कल्याणी पाटिल, मामा नाइक, निर्मल्या राउत, संध्या राय, संध्यारानी टुडू और उज्ज्वला गुगे शामिल हैं।

एशियाई खेल: भारत ने जीता पहला गोल्ड

महिला क्रिकेट के फाइनल में श्रीलंका को हराया

एजेंसी

आइची-नगोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत ने गोल्ड मेडल के साथ अपने अभियान का शानदार आगाज किया है। महिला क्रिकेट के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने श्रीलंका को 47 रन से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। भारत की जीत में स्मृति मंधाना की शानदार बल्लेबाजी और दीप्ति शर्मा की प्रभावी गेंदबाजी ने अहम भूमिका निभाई। भारत ने खड़ा किया 216 रन का विशाल स्कोर टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 216 रन बनाए। स्मृति मंधाना ने शानदार 79 रन की पारी खेली, जबकि ऋचा घोष ने महज कुछ गेंदों में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 49 रन बनाए। शेफाली वर्मा ने भी 48 रन का अहम योगदान दिया। भारत की शुरुआत बेहद मजबूत रही। स्मृति मंधाना और

शेफाली वर्मा ने पहले विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर की नींव दी। मंधाना ने अपनी 45 गेंदों की पारी में 5 चौके और 7 छक्के लगाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 19 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से मध्यक्रम में ऋचा घोष ने तेजी से रन बनाते हुए टीम को मजबूत स्थिति तक पहुंचाया।

श्रीलंका की गेंदबाजों को

मिले तीन विकेट

श्रीलंका की ओर से सुगंधिका कुमारी, कविशा दिलहरी और चामुडी प्रबोधा ने एक-एक विकेट हासिल किया। हालांकि भारतीय बल्लेबाजों की आक्रमक बल्लेबाजी के सामने श्रीलंकाई गेंदबाज बड़ा स्कोर रोकने में सफल नहीं हो सकीं। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने भी दमदार प्रदर्शन किया। दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट लेकर श्रीलंका की बल्लेबाजी पर दबाव बनाए रखा और भारत की जीत की राह आसान की। भारत ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 47 रन से मात दी। इस जीत के साथ भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 में भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल जीत लिया। फाइनल में जीत के साथ भारतीय टीम ने न सिर्फ स्वर्ण पदक अपने नाम किया, बल्कि स्मृति मंधाना की रिकॉर्डतोड़ पारी और टीम के सामूहिक प्रदर्शन ने इस मुकाबले को भारत के लिए यादगार बना दिया।

एकलव्य तीरंदाजी अकादमी ने खिलाड़ियों ने तीरंदाजी के जिला स्तरीय ट्रायल में जीते मेडल

एजेंसी

फतेहाबाद। फतेहाबाद जिला तीरंदाजी संघ फतेहाबाद द्वारा जिला स्तरीय तीरंदाजी ट्रायल का आयोजन गांव दीवाना में किया गया। इसमें अंडर 10 वर्ग से लेकर 15 वर्ग तक के ट्रायल के साथ साथ जुनियर और सीनियर के ट्रायल भी करवाए गए।

इस ट्रायल में एकलव्य तीरंदाजी अकादमी सनियाना से अंडर 15 में वर्ग विशाल ने ब्रॉन्ज मेडल, जुनियर वर्ग में रिम्पी ने ब्रॉन्ज मेडल और सीनियर वर्ग में विनती ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। कोच अमित लाम्बा ने सभी खिलाड़ियों की सफलता का श्रेय उनकी मेहनत और प्रयास को दिया। विनोद कुमार कैरों ने सभी खिलाड़ियों और अभिभावकों को इस शानदार सफलता के लिए बधाई दी और कहा कि यह गांव सनियाना और एकलव्य तीरंदाजी

अकादमी के लिए गौरव का पल है। खिलाड़ियों के अभिभावक दिलबाग सिंह, नरेश कुमार कैरों और मंगल सिंह ने कोच अमित लाम्बा और बच्चों की हौसला अफजाई की।

एशियाई खेल: पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को 31 रन से हराकर जीता कांस्य पदक

बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 114 रन ही बना सकी और 31 रन से मुकाबला हार गई।

एजेंसी

आइची-नगोया। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने मंगलवार को एशियाई खेलों के तीसरे स्थान के मुकाबले में बांग्लादेश को 31 रन से हराकर कांस्य पदक जीत लिया। निश्चित के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान के 145/8 के जवाब में बांग्लादेश की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 114 रन ही बना सकी। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने शवाल जुल्फिकार और गुल फिरोजा के साथ अच्छी शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े। नाहिदा अख्तर ने फिरोजा को आउट किया। उन्होंने 23 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 31 रन बनाए। इसके बाद सायरा जाबीन क्रीज पर आई, लेकिन वह ज्यादा देर नहीं टिक सकीं और पांच रन बनाकर आउट हो गई। जुल्फिकार ने 27 गेंदों पर 17 रन बनाए, जबकि एमान फातिमा खाता नहीं खोल सकीं। आयशा जफर ने नौ रन बनाए, लेकिन शांजिदा अख्तर मेघला ने उन्हें भी पवेलियन भेज दिया। पाकिस्तान का स्कोर एक समय पांच विकेट पर 67 रन था। कप्तान फातिमा सना ने आलिया रियाज के साथ मिलकर पारी को

संभाला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 67 रन जोड़े। रियाज ने 22 गेंदों पर दो छक्कों और एक चौके की मदद से 25 रन बनाए। फातिमा सना ने 45 रन की पारी में तीन छक्के और तीन चौके लगाए। पाकिस्तान ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 145 रन बनाए। फातिमा पारी की आखिरी गेंद पर आउट हुई। बांग्लादेश की ओर से नादिया अख्तर, रितु मोनी और शोर्ना अख्तर ने दो-दो विकेट लिए, जबकि शांजिदा अख्तर मेघला को एक सफलता मिली। 146 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने दिलारा अख्तर और जुआइरिया फरदौस के साथ शुरुआत की। पाकिस्तान की उम्म-ए-हानी ने तीसरे ओवर में फरदौस के आउट कर पहली सफलता दिलाई। अगले ओवर में तस्मिया रुबाब ने दिलारा अख्तर को 12 रन पर आउट किया। इसके बाद शोभना मोस्तारी भी दो रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। कप्तान निगार सुल्ताना जोती और शर्मिन अख्तर ने चौथे विकेट के लिए 47 रन जोड़कर बांग्लादेश की पारी को संभाला। हालांकि, बढ़ते रन रेट के दबाव में निगार सुल्ताना को आयशा जफर ने एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। उन्होंने 30 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 25 रन बनाए। इसके बाद बांग्लादेश के विकेट लगातार गिरते रहे और लक्ष्य से दूरी भी बढ़ती गई। शर्मिन अख्तर 45 गेंदों पर 46 रन और नाहिदा अख्तर छह गेंदों पर 10 रन बनाकर नाबाद रहीं। बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 114 रन ही बना सकी और 31 रन से मुकाबला हार गई।

एशियाई खेल: भारतीय महिला टेबल टेनिस क्वार्टर फाइनल में पहुंची, थाईलैंड को 3-2 से हराया

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने एशियाई खेल 2026 में रोमांचक मुकाबले में थाईलैंड को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने मंगलवार को पांच मैचों तक चले मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। अब क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना उत्तर कोरिया से होगा, जिसे राउंड ऑफ 16 में बाई मिली थी।

भारत की वापसी में यशस्विनी घोरपड़े ने दो बार अहम भूमिका निभाई, जबकि निर्णायक मुकाबले में श्रीजा अकुला ने दबाव के बीच संयम बनाए रखते हुए टीम को जीत दिलाई। मुकाबले के पहले मैच में थाई खिलाड़ी ओरोवान परानंग ने शानदार वापसी करते हुए भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली खिलाड़ी श्रीजा अकुला को 3-2 से हराया। परानंग ने 7-11, 1-11, 11-9, 11-6, 12-10 से जीत दर्ज कर थाईलैंड को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद यशस्विनी घोरपड़े ने सुथासिनी सावेत्ताबुत को 3-2 से हराकर भारत की वापसी

कराई। यशस्विनी ने 11-8, 5-11, 7-11, 11-9, 11-9 से जीत दर्ज की और मुकाबला 1-1 से बराबर किया। थाईलैंड ने तीसरे मुकाबले में फिर बढ़त हासिल कर ली। जिन्निपा सावेत्ताबुत ने दिया चितले को 3-2 से हराया। उन्होंने 11-7, 5-11, 7-11, 11-7, 13-11 से जीत दर्ज कर थाईलैंड को 2-1 की बढ़त दिलाई। भारत को फिर यशस्विनी से उम्मीद थी और उन्होंने निराश नहीं किया। महाराष्ट्र की इस खिलाड़ी ने ओरोवान परानंग को सीधे गेमों में 3-0 से हराकर भारत को मुकाबले में वापस ला दिया। यशस्विनी ने 11-5, 11-8, 11-9 से जीत दर्ज की और मुकाबला निर्णायक मैच तक पहुंचा दिया। निर्णायक मुकाबले में श्रीजा अकुला का सामना सुथासिनी सावेत्ताबुत से हुआ। श्रीजा पहला गेम हार गई, लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार संयम दिखाते हुए लगातार तीन गेम जीते। उन्होंने 9-11, 11-6, 12-10, 11-8 से 3-1 की जीत दर्ज कर भारत को क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया।

11 हजार अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं स्मृति मंधाना

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। श्रीलंका के खिलाफ एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक मुकाबले में 79 रन की शानदार पारी के दौरान मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 11,000 रन पूरे करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गईं। मंधाना ने 45 गेंदों पर पांच चौकों और सात छक्कों की मदद से 79 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 175.56 रहा। उन्होंने शेफाली वर्मा के साथ मिलकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई और दोनों ने पहले विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की। शेफाली ने 29 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 48 रन बनाए। मंधाना महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। उन्होंने 179 मैचों की 172 पारियों में 31.00 की औसत और 127.47 के स्ट्राइक रेट से 4,867 रन बनाए हैं। उनके नाम दो शतक और 37 अर्धशतक हैं तथा उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 124 रन है।

महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मंधाना 5,411 रन के साथ छठे स्थान पर हैं। उन्होंने 120 मैचों में 47.88 की औसत से ये रन बनाए हैं, जिसमें 14 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 136 रन है। मंधाना ने नौ टेस्ट मैचों में 52.53 की औसत से 788 रन बनाए हैं। इस प्रारूप में उनके नाम दो

शतक और पांच अर्धशतक हैं तथा उनका सर्वोच्च स्कोर 149 रन है। कुल मिलाकर मंधाना ने 308 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 11,066 रन बनाए हैं, जिसमें 18 शतक शामिल हैं। वह महिला क्रिकेट के इतिहास में सबसे अधिक रन और सबसे ज्यादा शतक बनाने वाली बल्लेबाज भी हैं।

एशियाई खेल: भारत बुधवार से करेगा एथलेटिक्स अभियान की शुरुआत

तजिंदरपाल, अविनाश पर नजरें

एजेंसी

आइची-नगोया। भारत एशियाई खेलों में बुधवार से अपने एथलेटिक्स अभियान की शुरुआत करेगा। 23 से 29 सितंबर तक चलने वाली एथलेटिक्स स्पर्धाओं में अविनाश साबले, तजिंदरपाल सिंह तूर, पारुल चौधरी और गुलवीर सिंह समेत कई भारतीय पदक दावेदार मैदान में उतरेंगे।

नीरज चोपड़ा के चोट के कारण बाहर होने से पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारत की चुनौती कुछ अलग होगी। उनकी जगह रोहित यादव और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता यश वीर सिंह भारतीय चुनौती संभालेंगे। रोहित ने इस सत्र में 87 मीटर से अधिक के दो शानदार थ्रो किए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अगस्त में भुवनेश्वर में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर मीट में आया, जहां उन्होंने 87.68 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

अविनाश साबले पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। घुटने की सर्जरी के कारण वह ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा नहीं ले सके थे। वहीं, तजिंदरपाल सिंह तूर की नजरें एशियाई खेलों में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीतने पर होंगी। पारुल चौधरी महिलाओं की 5000 मीटर में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करेंगी। वह 1500 मीटर और 3000 मीटर स्टीपलचेज में भी हिस्सा लेंगी। 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की 4x400 मीटर रिले टीम का हिस्सा रहे राजेश रमेश को भी टीम में जगह मिली है। बाधा दौड़ की धाविका ज्योति याराजी भी लंबे समय तक चोट से बाहर रहने के बाद प्रतियोगिता में वापसी करेंगी। उन्होंने 2022 एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। लंबी कूद के स्टार मुरली श्रीशंकर भी मजबूत लय के साथ एशियाई खेलों में उतरेंगे। उन्होंने ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में अपना दूसरा रजत पदक जीता था।

तेजस्विन शंकर, गुलवीर सिंह, अंसी सोजन, प्रवीण चित्रवेल और विथ्या रामराज भी भारतीय टीम के प्रमुख नामों में शामिल हैं। गुलवीर सिंह ने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में 10,000 मीटर और 5,000 मीटर में दो पदक जीते थे। अंसी सोजन लंबी कूद की राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी हैं, जबकि प्रवीण चित्रवेल और विथ्या रामराज भी हांगझोउ में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। भारत एथलेटिक्स की 50 पदक स्पर्धाओं में से 41 में हिस्सा लेगा। पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़, चक्का फेंक, हाफ मैराथन रेस वॉक, मैराथन रेस वॉक और 4x100 मीटर रिले में भारत की भागीदारी नहीं होगी। महिलाओं की 100 मीटर, मैराथन, भाला फेंक और हाफ मैराथन रेस वॉक स्पर्धाओं में भी भारत का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा।

उलटफेर का शिकार होने से बाल-बाल बची टीम इंडिया

रोमांचक मैच में जापान को 2 रनों से हराया

एजेंसी

कांटो। रोमांच से भरे एकमात्र टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में टीम इंडिया जापान के खिलाफ उलटफेर का शिकार होने से बाल-बाल बच गई। सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए मैच में भारत ने जापान को 2 रनों से हराया। बारिश से प्रभावित मैच में भारत से मिले 33 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जापान की टीम 5 ओवर में 3 विकेट खोकर 30 रन ही बना सकी। झमाझम होती बारिश और गीली आउटफील्ड के चलते टॉस तय समय से दो घंटे की देरी से हुआ। इसके बाद मैच को 5-5 ओवर का किया गया। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम जापान के स्पिन गेंदबाजों के आगे बुरी तरह से संघर्ष करते दिखाई दिए। अभिषेक शर्मा बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं, संजू सैमसन भी रनों के लिए जूझते दिखाई दिए और वह 7 गेंदों में 9 रन बनाकर आउट हुए। संजू अपनी इस पारी में सिर्फ एक चौका लगा सके। ईशान किशन भी 6 गेंदें खेलने के बाद महज 3 रन ही बना सके। कप्तान श्रेयस अय्यर भी बड़ा शॉट लगाने के लिए मशक्कत करते नजर आए और वह 12 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 16 रन ही बना सके। अय्यर ने अपनी इस पारी में महज एक चौका

लगाया। तिलक वर्मा एक रन बनाकर नाबाद रहे। भारतीय बल्लेबाजों ने पूरी पारी में सिर्फ दो चौके लगाए और टीम की ओर से एक भी सिक्स नहीं लगा। चार्ली हारा-हिन्जे जापान के सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 17 रन देकर 2 विकेट चटकाए। वहीं, इब्राहिम ताकाहाशी और बेंजामिन इटो-डेविस ने एक-एक विकेट झटका। भारत से मिले 33 रनों का लक्ष्य का पीछा करने उतरी जापान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अक्षर पटेल ने पहला ओवर बेहद किफायती फेंकने के साथ-साथ लैकलन यामामोटो-लेक को सिर्फ एक रन के स्कोर पर पवेलियन भेजा। पहले ओवर में जापान की टीम सिर्फ 2 रन ही बना सकी। दूसरे ओवर की जिम्मेदारी कप्तान श्रेयस अय्यर ने वॉशिंगटन सुंदर को सौंपी। सुंदर ने इस ओवर में बढ़िया गेंदबाजी करते हुए ओवर की चौथी गेंद पर इब्राहिम ताकाहाशी को 4 रनों के स्कोर पर आउट किया। सुंदर ने इस ओवर में एक चौके समेत कुल 6 रन खर्च किए। रवि बिश्नोई तीसरे ओवर में महंगे साबित हुए और उन्होंने कुल 10 रन खर्च किए। वह इस ओवर में कोई भी विकेट चटकाने में भी नाकाम रहे। चौथे ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने 7 रन खर्च करते हुए जापान के कप्तान केंडेल काडोवाकी-फ्लेमिंग को 12 रनों के स्कोर पर पवेलियन भेजा। आखिरी ओवर में जापान को जीत के लिए 8 रनों की जरूरत थी। अक्षर ने शुरुआत दो गेंदों में 2 रन दिए, लेकिन वह तीसरी बॉल वाइड फेंक बैठे। हालांकि, अगली चार गेंदें अक्षर ने एकदम सही टप्पे पर डाली और जापान के बल्लेबाजों को बाउंड्री लगाने का कोई मौका नहीं दिया।

एशियाई खेल: दक्षिण कोरिया से 0-3 की हार के साथ पुरुष टेबल टेनिस टीम का अभियान खत्म

एजेंसी

आइची-नगोया। भारत को एशियाई खेलों में मंगलवार को पुरुष टीम टेबल टेनिस के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में दक्षिण कोरिया के हाथों 0-3 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे महाद्वीपीय प्रतियोगिता में उसका अभियान समाप्त हो गया। भारत 0-2 से पिछड़ गया था। हरमीत देसाई को जांग वूजिन ने चार गेम में 11-8, 8-11, 7-11, 9-11 से हराया। इसके बाद मनुष शाह ने विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर काबिज ओ जुनसोंग को कड़ी चुनौती दी, लेकिन पांच गेम के मुकाबले में उन्हें 2-3 से हार मिली। मनुष ने तीसरा गेम 13-11 से जीतकर 2-1 की बढ़त बनाई थी और निर्णायक गेम में भी 4-1 से आगे थे। हालांकि, ओ जुनसोंग ने वापसी करते हुए निर्णायक गेम जीत लिया। ओ ने मुकाबला 4-11, 11-8, 13-11, 11-13, 11-6 से अपने नाम किया। भारत को मुकाबले में बनाए रखने की जिम्मेदारी मानव ठक्कर पर थी, जिनका सामना आन जेह्युन से हुआ। मानव ने तीसरा गेम 11-7 से जीतकर वापसी की कोशिश की, लेकिन इससे पहले वह शुरुआती दो गेम 10-12, 6-11 से हार चुके थे। आन जेह्युन ने चौथा गेम 12-10 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मानव को 10-12, 6-11, 11-7, 10-12 की हार के साथ दक्षिण कोरिया ने मुकाबला 3-0 से जीत लिया और भारत की पुरुष टीम का अभियान समाप्त हो गया। भारत का एशियाई खेलों में दिन का प्रदर्शन मिश्रित रहा। महिला टेबल टेनिस टीम ने थाईलैंड को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि महिला बैडमिंटन टीम को क्वार्टर फाइनल में जापान के हाथों 1-3 से हार मिली। शूटिंग में पुरुष स्कीट व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन के दूसरे दिन अनंतजीत सिंह नरूका दूसरे, मेराज अहमद खान 23वें और भवतेग सिंह गिल 35वें स्थान पर रहे। 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम फाइनल में इलावेनिल वलारिवन और पार्थ माने चौथे स्थान पर रहे। मुक्केबाजी में साक्षी चौधरी ने महिलाओं के 51 किलोग्राम राउंड ऑफ 32 में फिलीपींस की आइरा विलागास को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं महिलाओं में तनिशा खत्री ने महिलाओं की व्यक्तिगत एपी राउंड ऑफ 32 में नटपापट सांगनगियो को हराया। वहीं, हेमाश सिंह सनासम और सचिन पुरुष व्यक्तिगत फ्लोरेट के राउंड ऑफ 32 में हारकर बाहर हो गए। सॉफ्ट टेनिस में आर्यन ठाकुर और जय मीना ने जीत दर्ज की, जबकि आध्या तिवारी को हार का सामना करना पड़ा। कबड्डी में भारत की पुरुष टीम ने दक्षिण कोरिया को 63-31 से हराया। सेपकटकरा में भारत को मलेशिया के हाथों 0-3 से हार मिली। तैराकी में आर्यन नेहरा पुरुषों की 1500 मीटर फ्रीस्टाइल फाइनल में चौथे स्थान पर रहे।

दिल्ली एसआईआरः 30 सितंबर तक दावे दाखिल कर मतदाता सूची में नाम जुड़वा सकते हैं वोटर, नोटिस का मतलब नाम कटना नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 31.63 लाख मतदाताओं को नोटिस भेजे जाने पर उठी चिंताओं के बीच मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) अशोक कुमार ने स्पष्ट किया कि नोटिस मिलने का मतलब यह नहीं है कि मतदाता का नाम अंतिम मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा। सीईओ ने बयान जारी कर कहा कि जिन पात्र लोगों का नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में नहीं है, वे 30 सितंबर तक दावा और आपत्ति अवधि के दौरान फॉर्म-6 तथा आवश्यक दस्तावेज जमा कर अंतिम मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि फॉर्म निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) या बीएलओ के पास ऑफलाइन जमा किए जा सकते हैं। इसके अलावा वेबसाइट और इसीआईनेट मोबाइल ऐप के जरिए ऑनलाइन भी आवेदन किया जा सकता है। सीईओ ने कहा कि 27 सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक दिल्ली के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर लगाने का प्रस्ताव है, ताकि मतदाताओं को सहायता मिल सके।

मालवीय नगर होटल आगः दिल्ली हाई कोर्ट ने आरोपी लवकेश बजाज को मेडिकल आधार पर अंतरिम जमानत दी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने मालवीय नगर होटल अग्निकांड के आरोपी होटल मालिक लवकेश बजाज को मेडिकल आधार पर चार हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी। जस्टिस सचिन दत्ता की सिंगल-जज बेंच ने बजाज की अंतरिम जमानत याचिका को मंजूरी दी। कोर्ट ने पाया कि हाल ही में उनके पेट की बड़ी सर्जरी हुई थी और जटिलताओं का जोखिम है, जिसके लिए सावधानीपूर्वक मेडिकल देखभाल की जरूरत है। अपने आदेश में हाई कोर्ट ने नोट किया कि बजाज को 15 सितंबर को ही अस्पताल से छुट्टी मिली थी। कोर्ट ने कहा कि आवेदक की सर्जरी की प्रकृति और अस्पताल से छुट्टी के बाद बीते कम समय को देखते हुए, उन्हें ठीक होने और पूरी तरह से रिकवर होने के लिए अंतरिम जमानत मिलनी चाहिए। जस्टिस दत्ता ने साफ किया कि यह आदेश केवल मेडिकल आधार पर अंतरिम जमानत याचिका पर फैसला करने के लिए दिया गया है। इसका ट्रायल की कार्यवाही पर कोई असर नहीं पड़ेगा और न ही इसे मामले की मेरिट पर कोई राय माना जाएगा। बजाज को रिहाई की तारीख से चार हफ्ते के लिए अंतरिम जमानत दी गई है। इसके लिए उन्हें संबंधित ट्रायल कोर्ट की संतुष्टि के अनुसार 25,000 रुपए का पर्सनल बॉन्ड और उतनी ही राशि की एक जमानत देनी होगी।

दुबई के शेख अहमद बिन राशिद अल मकतूम का निधन, पीएम मोदी ने जताया दुख

नई दिल्ली । दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम के छोटे भाई शेख अहमद बिन राशिद अल मकतूम के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। शेख 76 साल के थे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'शेख अहमद बिन राशिद अल मकतूम के निधन से काफी आहत हूं। समाज के कल्याणार्थ जो उन्होंने किया उसे पीढ़ियां याद रखेंगी। ' भावुक पोस्ट में पीएम ने आगे लिखा, 'मैं शाही परिवार और दुबई की जनता के प्रति भी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति मिले। ' शेख अहमद बिन राशिद अल मकतूम के निधन के बाद दुबई में 10 दिन के आधिकारिक शोक की घोषणा की गई है। इस दौरान पूरे अमीरात में झंडे आधे झुके रहेंगे। शेख मोहम्मद ने अपने भाई को याद करते हुए बेहद भावुक संदेश जारी किया। उन्होंने कहा, 'अहमद उनकी आंखों से दूर जरूर हो गए हैं, लेकिन दुआओं और दिल में हमेशा रहेंगे। ' प्रेसिडेंशियल दीवान (राष्ट्रपति कार्यालय) ने भी उनके निधन पर बयान जारी किया। कहा कि ईश्वर के फैसले और किस्मत पर अटूट विश्वास के साथ, प्रेसिडेंशियल दीवान स्वर्गीय शेख अहमद बिन राशिद अल मकतूम के निधन पर शोक व्यक्त करता है।

पंजाबियों को इंसाफ नहीं दिला सकते तो इस्तीफा दे सीएम भगवंत मान : गौरव भाटिया

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता गौरव भाटिया ने पंजाब में नशे की समस्या को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया है और सीएम भगवंत मान अगर पंजाबियों को इंसाफ नहीं दिला सकते हैं तो उन्हें तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। नई दिल्ली में प्रेस वार्ता के दौरान भाटिया ने पंजाब की भगवंत मान सरकार पर ड्रग्स को बढ़ावा देने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पंजाब की धरती से 'नशा-मुक्त पंजाब यात्रा' का शुभारंभ किया है। यह यात्रा पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों से होकर गुजरेगी। भाजपा ने 18 सितंबर से इस अभियान की शुरुआत की है और यात्रा के तहत करीब 4,000 किलोमीटर की दूरी तय की जानी है। यह यात्रा सुनिश्चित करेगी कि पंजाब की धरती से 'सूर्य अस्त, भगवंत चिट्टा मस्त' को उखाड़कर फेंका जाए। संगरूर में जग्गा सिंह द्वारा नशीले पदार्थों के मुद्दे को उठाए जाने का जिक्र करते हुए भाटिया ने आरोप लगाया कि शिकायत पर नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय जग्गा सिंह को कथित तौर पर धमकाया और प्रताड़ित किया गया।

एनडीएमसी क्षेत्र में 50 प्रतिशत छूट के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा

सरोजिनी नगर में बनेगा 50 बेड का आयुष अस्पताल

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) की पालिका केंद्र में आयोजित परिषद बैठक में नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल और अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी ने पत्रकार वार्ता कर परिषद में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के विजन के अनुरूप एनडीएमसी क्षेत्र में आधुनिक विकास, बेहतर नागरिक सुविधाओं और मजबूत बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। परिषद ने अंधेरे वाले स्थानों पर नई स्ट्रीट लाइट लगाने, इलेक्ट्रिक वाहनों को पार्किंग शुल्क में 50 प्रतिशत छूट देने, स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था विकसित करने सहित कई प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

उन्होंने बताया कि एनडीएमसी क्षेत्र के अंधेरे वाले स्थानों पर छह, आठ और 11 मीटर ऊंचाई वाले नए ऑक्टागोनल स्ट्रीट लाइट पोल लगाए जाएंगे। इसमें पोल की नींव, केबल बिछाने और अर्थिंग का काम भी शामिल होगा। इसके लिए 18.26 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वच्छ और हरित परिवहन को बढ़ावा देने के लिए एनडीएमसी के सभी पार्किंग स्थलों पर इलेक्ट्रिक वाहनों को पार्किंग शुल्क में 50 प्रतिशत छूट देने का निर्णय लिया गया है। एनडीएमसी के अनुसार इससे इलेक्ट्रिक वाहनों को

अपनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहन मिलेगा और पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

चहल ने बताया कि धोबी घाट के पानी के उपभोक्ताओं के पुराने बकाया बिलों पर लगने वाले विलंब शुल्क से राहत देने के लिए एक बार की माफी योजना को मंजूरी दी गई है। अप्रैल 2026 तक एनडीएमसी का करीब 63.52 करोड़ रुपये पानी का बकाया था। इसके साथ ही धोबी घाट के पानी के शुल्क में पहले लागू 2.5 गुना शुल्क को हटाने का फैसला किया गया है। सीवरेज शुल्क पानी के उपयोग शुल्क का 60 प्रतिशत रहेगा। सरोजिनी नगर में करीब 55 करोड़ रुपये की लागत से 50 बेड का आयुष अस्पताल एवं शोध केंद्र स्थापित किया जाएगा। यह परियोजना आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय तथा एनडीएमसी की 50:50 साझेदारी में प्रस्तावित है। परिषद ने परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। अस्पताल के संचालन में एनडीएमसी का आयुष विभाग संस्थागत भागीदार रहेगा।

एनडीएमसी ने मोती बाग में कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं के लिए आधुनिक परीक्षा केंद्र स्थापित करने की योजना को भी आगे बढ़ाया है। प्रस्तावित केंद्र का नाम 'पालिका आदर्श परीक्षा केंद्र' होगा। यहां विद्यार्थियों की कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं आयोजित की जा सकेंगी।

एनडीएमसी क्षेत्र में इंटेलिजेंट इंटीग्रेटेड पार्किंग सिस्टम के माध्यम से स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था विकसित करने की दिशा में कदम उठाया गया है। इसके लिए दोबारा आरएफपी आमंत्रित करने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित व्यवस्था में मोबाइल और डिजिटल माध्यम से पार्किंग की उपलब्धता देखने, बुकिंग और भुगतान की सुविधा होगी। नेविगेशन के जरिए पार्किंग स्थल तक पहुंचने तथा इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से निगरानी की सुविधा भी प्रस्तावित है।

कनॉट प्लेस सबवे में बंद पड़े सात एस्केलेटरों को नए हेवी ड्यूटी आउटडोर/पब्लिक सर्विस एस्केलेटर से बदला जाएगा। इसके लिए 6.09 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसमें स्थापना के बाद एक वर्ष की वारंटी और पांच वर्ष का रखरखाव शामिल होगा।

इससे वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और आम लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। एनडीएमसी में बिजली मीटरिंग व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए एडवांस्ड मीटरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर सेवा प्रदाता नियुक्त किया जाएगा।

दिल्ली सरकार अगले महीने 150 नई इलेक्ट्रिक बसें शुरू करेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि सरकार अगले महीने 150 नई इलेक्ट्रिक बसें शुरू करेगी। उन्होंने दिल्ली परिवहन विभाग के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि हमारी सरकार बस डिपो और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को एक साथ मिलकर विकसित कर रही है और हर साइट की बारीकी से निगरानी की जा रही है, ताकि नई इलेक्ट्रिक बसों को बिना किसी देरी के सुचारू रूप से राजधानी दिल्ली की सड़कों पर उतारा जा सकें। हमारा मकसद एक साफ-सुथरी और ग्रीन-क्लीन दिल्ली का निर्माण करना है। इसके लिए पर्यावरण का विशेष ध्यान रखते हुए जरूरत के हिसाब से इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राजधानी दिल्ली में 40 बस डिपो से लगभग 5088 इलेक्ट्रिक बसें चल रही है और फिलहाल तीन और नए बस डिपो में इलेक्ट्रिसिटी चार्जर लगाने का काम तेजी से काम चल रहा है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कुशल नेतृत्व में नेशनल इलेक्ट्रिक बस प्रोग्राम (एनईबीपी) के तहत 768 बसों की चार्जिंग क्षमता वाले पांच बस डिपो भी तैयार किए जा रहे हैं। राजधानी दिल्ली के 16 बस डिपो में पीएम ई ड्राइव-1 के तहत 2800

इलेक्ट्रिक बसों की चार्जिंग की क्षमता वाले इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जानेगे हैं, जबकि पीएम ई-ड्राइव-2के तहत 2710 बसों की चार्जिंग क्षमता वाले 16 और बस डिपो का भी डेवलपमेंट शामिल हैं। अगले दो वर्षों में अलग-अलग चरणों में इनकी चरणबद्ध तरीके से कार्य पूरे होने की उम्मीद है।

दिल्ली सरकार राजधानी दिल्ली के दौराला और झुलझुली में भी दो नए बस डिपो बना रही है, जिनकी क्षमता 250 और 500 बसों की है। इससे दिल्ली के ग्रामीण इलाकों के लोगों को काफी राहत मिलेगी वे दिल्ली के मुख्य धारा से जुड़ पाएंगे।

सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसा : आरोपी हरि राम गुप्ता को पटियाला हाउस कोर्ट से बड़ा झटका, जमानत याचिका खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली । दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में बिल्डिंग गिरने के मामले में आरोपी बिल्डिंग मालिक हरि राम गुप्ता को पटियाला हाउस कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि जांच अभी शुरुआती दौर में है और चार्जशीट दाखिल नहीं हुई है, ऐसे में इस स्तर पर जमानत देना उचित नहीं होगा। पटियाला हाउस कोर्ट में आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान आरोपी के वकील ने उम्र और स्वास्थ्य का हवाला देते हुए जमानत की मांग की थी। वकील ने दलील दी कि हरि राम गुप्ता बुजुर्ग हैं और कई बीमारियों से ग्रसित हैं, साथ ही उनका बिल्डिंग के रोजमर्रा के कामकाज से कोई सीधा संबंध नहीं है। कोर्ट ने इन दलीलों को खारिज कर दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि हरि राम गुप्ता खुद को बिल्डिंग से अलग बता रहे हैं, लेकिन रिकॉर्ड कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड के मुताबिक बिल्डिंग का बिजली कनेक्शन आज भी हरि राम गुप्ता के नाम पर है। इसके अलावा कुछ गवाहों ने पूछताछ में बिल्डिंग के निर्माण और उसमें चल रहे काम में उनकी भूमिका की बात कही है। कोर्ट ने कहा कि जांच में सामने आया है कि इस बिल्डिंग से एक लाख रुपए से ज्यादा का मासिक किराया आता था। इतना किराया आने के बावजूद बिल्डिंग के रखरखाव और मरम्मत पर कितना खर्च किया गया, इसकी गहन जांच जरूरी है। यह मामला लापरवाही का है और इसकी तह तक जाना आवश्यक है।

बारिश थमते ही दिल्ली-एनसीआर में बढ़ा प्रदूषण, ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 300 के पार

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक दिल्ली-एनसीआर के मौसम में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा और तापमान में भी खास उतार-चढ़ाव की संभावना नहीं है। हालांकि, मौसम साफ होने और बारिश थमने के बाद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। 22 सितंबर से 24 सितंबर तक आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। इन दिनों में अधिकतम तापमान 34 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। वहीं, 25 सितंबर से 27 सितंबर तक आसमान में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन बारिश की कोई चेतावनी नहीं है। इन दिनों में भी तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा। मौसम साफ होते ही वायु प्रदूषण ने एक बार फिर से अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है।

आंकड़ों के मुताबिक, ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-5 इलाके का वायु गुणवत्ता सूचकांक 330 तक पहुंच गया है, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। वहीं, नॉलेज पार्क-3 का एक्यूआई 209 दर्ज किया गया है, जो 'खराब' श्रेणी में है। राजधानी दिल्ली की बात करें तो यहां भी कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के आंकड़ों के अनुसार, चांदनी चौक का एक्यूआई 235, आनंद विहार का 208, बवाना का 203 और कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का 162 दर्ज किया गया है। इसके अलावा, बुराड़ी क्रॉसिंग (159), सीआरआरआई मथुरा रोड (159) और आया नगर (127) जैसे इलाके भी प्रदूषण की चपेट में हैं। गाजियाबाद में भी हवा की गुणवत्ता खराब होती जा रही है। यहां लोनी का एक्यूआई 203, वसुंधरा का 187, इंदिरापुरम का 186, वेद विहार-लोनी का 171, संजय नगर का 164 और गोविंदपुरम का 123 दर्ज किया गया है। एनसीआर में मौसम तो शुष्क और साफ बना हुआ है, लेकिन यह साफ मौसम प्रदूषण के लिए मुफीद साबित हो रहा है। बारिश न होने के कारण हवा में मौजूद प्रदूषक कण जमा हो रहे हैं, जिससे दिल्ली, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा के कई इलाकों में एक्यूआई 'खराब' से 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गया है।

दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही को मातृ शोक, मुख्यमंत्री, मंत्री एवं प्रदेश पदाधिकारी अंत्येष्टि में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही की माता राजरानी वाही (96 वर्ष) का आकस्मिक निधन हो गया। सुबह निगमबोध घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।

महापौर की माता के निधन पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और सांसद योगेन्द्र चांदोलिया सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने गहरी संवेदना व्यक्त की। नेताओं ने कहा कि महापौर प्रवेश वाही को मिले लोकसेवा के संस्कार परिवार, विशेषकर माता द्वारा पोषित हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और परिजनों को यह आघात सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की। राजरानी वाही की अंत्येष्टि में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह, वरिष्ठ संघ नेता दयानंद, निगमायुक्त संजीव खिरवार, प्रदेश पदाधिकारी विष्णु मित्तल, मनीष चड्ढा आदि शामिल हुए। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के पार्षद

राजेश भाटिया, गौरव खारी, उप महापौर डॉ. मोनिका पंत, नेता सदन जयभगवान यादव, पूर्व महापौर राजा इकबाल सिंह, वरिष्ठ निगम नेता मुकेश गोयल, योगेश वर्मा, संदीप कपूर, सतपाल सिंह, वीर सिंह पंवार, अजीत सिंह यादव, जगत चौधरी, उत्तर-पश्चिम जिला अध्यक्ष विनोद सहरावत सहित रोहिणी क्षेत्र के हजारों आरडब्ल्यूए पदाधिकारी और नागरिकों ने भी अंतिम संस्कार में शामिल होकर श्रद्धांजलि दी।

दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पास नाबालिग से गैंगरेप

नकली पुलिसकर्मी बनकर आए थे 3 आरोपी, एक एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में महिलाओं और नाबालिगों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के प्रतिष्ठित कालकाजी और इस्कॉन मंदिर के समीप स्थित आस्था कुंज पार्क में 17 वर्षीय एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) की रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। आरोपियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर किशोरी और उसके साथी को धमकाया और बंधक बनाकर वारदात को अंजाम दिया। दिल्ली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बुधवार सुबह एक संक्षिप्त मुठभेड़ (शॉर्ट एनकाउंटर) के बाद एक आरोपी को धर दबोचा, जबकि दो अन्य की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। दर्शन के बाद पार्क गई थी पीड़िता, नकली पुलिसकर्मी बनकर आए आरोपीपुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना मंगलवार शाम की हैः

मंदिर दर्शन और पार्क:17 वर्षीय पीड़िता अपने 17 वर्षीय दोस्त के साथ कालकाजी मंदिर में दर्शन

करने आई थी। दर्शन करने के बाद दोनों शाम करीब 7:00 बजे पास ही स्थित आस्था कुंज पार्क में टहलने चले गए।

धमकी और बंधक बनानाः शाम करीब 7:30 बजे पार्क में 25 से 30 वर्ष की उम्र के तीन अज्ञात युवक पहुंचे। उन्होंने खुद को दिल्ली पुलिस का कर्मचारी बताते हुए दोनों को डराया-धमकाया और कानूनी कार्रवाई का खौफ दिखाया।

सामूहिक दुष्कर्मः पीड़िता के अनुसार, आरोपियों में से दो ने उसके दोस्त को मजबूती से पकड़कर बंधक बनाए रखा, जबकि तीनों ने बारी-बारी से उसके साथ घिनौनी हरकत (गैंगरेप) की।

रात 8:45 बजे मिली सूचना, सुबह मुठभेड़ में पकड़ा गया एक आरोपी

वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। रात करीब 8:45 बजे दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम (PCR) को कालकाजी और इस्कॉन मंदिर के पास एक नाबालिग से गैंगरेप की सूचना मिली।

कॉल मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और स्थानीय थाना पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंचे। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया और पॉक्सो (POCSO) एक्ट व भारतीय न्याय संहिता (BNS) की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विशेष टीमों का गठन किया गया।

मुठभेड़ में गिरफ्तारीः पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों और तकनीकी निगरानी की मदद से आरोपियों का सुराग लगाया। बुधवार तड़के पुलिस और बदमाशों के बीच हुई संक्षिप्त मुठभेड़ (शॉर्ट एनकाउंटर) के बाद एक मुख्य आरोपी को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया।

फरार आरोपियों की तलाशः पुलिस की क्राइम ब्रांच और स्पेशल स्टाफ की कई टीमें शेष दो फरार आरोपियों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

एमसीडी की शिक्षा समिति की बैठक में एक महीने में 50,000 नए दाखिले का लक्ष्य

वर्मा ने कहा कि सिर्फ स्कूल स्तर पर प्रयास से यह संभव नहीं है।

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की शिक्षा समिति की बैठक अध्यक्ष योगेश वर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में निगम स्कूलों में नामांकन बढ़ाने, सफाई, सुरक्षा, रखरखाव और बच्चों के सर्वांगीण विकास को लेकर कई बड़े फैसले लिए गए।

बैठक की शुरुआत में अध्यक्ष योगेश वर्मा ने सभी डिप्टी डायरेक्टर एजुकेशन से उनके जोन में मौजूदा नामांकन की रिपोर्ट ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगले एक महीने में 50,000 नए बच्चों के दाखिले का लक्ष्य पूरा किया जाए। वर्मा ने कहा कि सिर्फ स्कूल स्तर पर प्रयास से यह संभव नहीं है। इसके लिए सभी शिक्षकों, अभिभावकों, स्टार पैरेंट्स और एनजीओ को साथ लेकर घर-घर जाकर लोगों को निगम स्कूलों में

दाखिले के लिए प्रेरित करना होगा। हर शनिवार को शिक्षक अपने क्षेत्र में जाकर विशेष नामांकन अभियान चलाएंगे। जो शिक्षक 75 नए बच्चों का दाखिला कराएगा, उसे निगम शिक्षक अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। समिति ने स्कूलों में सफाई कर्मचारियों और चौकीदारों की भारी कमी को गंभीरता से लिया। अध्यक्ष ने शिक्षा निदेशक को लगभग 3,000 पदों पर भर्ती के लिए फाइल तैयार कर प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए। साथ ही चौकीदारों के नियमितीकरण और करुणा के आधार पर नियुक्ति के लंबित मामलों का जल्द निस्तारण करने को कहा।

बैठक में स्कूलों के पार्कों और हरित क्षेत्रों की देखभाल का मुद्दा भी उठा। प्रत्येक स्कूल के पार्क के क्षेत्रफल की जानकारी मंगाई गई है, ताकि जरूरत के हिसाब से माली उपलब्ध कराए जा सकें।

वहीं, स्कूल भवनों, क्लासरूम, शौचालय, पेयजल और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की मरम्मत कार्यों की समीक्षा कर प्राथमिकता के आधार पर काम पूरा करने के निर्देश दिए गए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत बच्चों के शारीरिक विकास के लिए खेलों को बढ़ावा देने का प्रस्ताव पारित किया गया। एमसीडी मिनी लीग जैसी प्रतियोगिताओं और खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने पर सहमति बनी। अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि हर स्कूल में साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल और साफ शौचालय अनिवार्य है। इसमें लापरवाही मिलने पर संबंधित प्रधानाचार्य और इंचार्ज की जवाबदेही तय होगी। शिक्षा समिति के सदस्य नियमित स्कूलों का निरीक्षण करेंगे।

उन्होंने मिड-डे मील की गुणवत्ता सुधारने के लिए नए टेंडर की प्रक्रिया जल्द शुरू करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि बच्चों को पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल सके।

हिंदुओं के खिलाफ बोलने से इज्जत नहीं बढ़ेगी, हामिद अंसारी पर यासिर जिलानी का जुबानी हमला

एजेंसी

नई दिल्ली । पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के बयान को लेकर यासिर जिलानी ने निशाना साधा है। आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने हामिद अंसारी के बयान पर सवाल उठाए। भाजपा प्रवक्ता यासिर जिलानी ने बातचीत में कहा कि हामिद अंसारी को भारत ने सब कुछ दिया। वह सर्वोच्च पदों पर रहे हैं, लेकिन भारत के हिंदुओं से इतनी नफरत क्यों करते हैं? हिंदुओं के बारे में उल्टा-सीधा बोलने से आपकी इज्जत नहीं बढ़ रही है, बल्कि और घट रही है। हामिद अंसारी जैसे लोग नफरत के सौदागर हैं। यह अमन पसंद मुल्क है और अधिकतर लोग अमन पसंद हैं, लेकिन इस तरह के बयान देकर वह सिर्फ हलचल मचाना चाहते हैं। इससे कोई फायदा नहीं होने वाला है। यासिर जिलानी ने कहा कि अब आप रिटायर हैं, अपने जीवन को अच्छे से बिताइए। अच्छी बातें करिए। शिक्षा को बढ़ावा देने में योगदान दीजिए। अगर कोई सुझाव है तो सरकार तक पहुंचाइए, लेकिन सरकार के खिलाफ जाते-जाते इस स्तर पर पहुंच जाएंगे, इसका अंदाजा नहीं था। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर उन्होंने कहा कि वह सिर्फ धर्म की राजनीति करते हैं। कांग्रेस और सपा पहले भी गठबंधन कर चुकी है और उसका परिणाम भी हम देख चुके हैं। उत्तर प्रदेश की जनता ने मन बना लिया है। वह तीसरी बार योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बनाने जा रही है और फिर से भाजपा की सरकार बनने जा रही है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जनता इनसे खुश नहीं है, क्योंकि ये काम कम और झगड़ा अधिक करते हैं। सपा और कांग्रेस के गठबंधन और इमरान मसूद की बयानबाजी पर उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के लोगों में एकजुटता नहीं रही है। इमरान मसूद अलग ही चल रहे हैं। वह अखिलेश यादव पर लगातार कटाक्ष कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि ये लोग एक साथ आने वाले हैं। यासिर जिलानी ने कहा कि इमरान मसूद हिंसा की बात करते हैं। प्रधानमंत्री के लिए उन्होंने किस तरह के शब्दों का प्रयोग किया है, हम सभी जानते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की सत्ता को जनता ने देखा है।